YouTube AJJ KA MUDDA

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 46 | नोएडा गौतमबुद्धनगर, गुरूवार 06 मार्च 2025 | RNI-No. UPHIN/2011/37197 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रुपया

अच्छी पहल | **ड्रोन ने फरवरी में 1.5 लाख डिलीवरी की, दवाइयां, किराने का सामान और आईफोन भेजे**

हरियाणा के गुरुग्राम में महिला ड्रोन टीम की शुरुआत

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में अब ड्रोन के जरिए डोर-टू-डोर डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स की जिम्मेदारी महिलाओं के हाथों में होगी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्काई एयर मोबिलिटी से जुड़ी 10 महिलाओं ने भारत की पहली महिला ड्रोन डिलीवरी टीम की शुरुआत की। मंगलवार को सेक्टर 29 में इन 10 महिला ड्रोन पायलटों ने डिलीवरी तकनीक का इस्तेमाल करके दवाइयों और किराने के सामान से लेकर गृहस्थी तक की जरूरी चीजों की निर्बाध, एंड-टू-एंड डिलीवरी सुनिश्चित की। खास बात यह है कि ड्रोन को चलाने से लेकर आवश्यक सामग्री को उसके गंतव्य तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया को केवल महिलाओं द्वारा किया गया। यह पूरी तरह से महिला-नेतृत्व वाले ड्रोन लॉजिस्टिक्स में दुनिया की पहली उपलब्धि है। दरअसल ड्रोन उद्योग के तेजी से बढ़ने के साथ, कुशल

पायलटों की मांग बढ़ रही है। महिलाओं के इस फील्ड में आना एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि डोर टू डोर डिलीवरी का काम पुरुष-प्रधान माना जाता है। स्काई एयर मोबिलिटी के संस्थापक अंकित कुमार ने कहा ड्रोन लॉजिस्टिक्स में महिलाओं को रोजगार देने के लिए अगले दो वर्षों में 500 महिला पायलटों और स्काई वॉकर्स को प्रशिक्षित किए जाने की प्लानिंग है। यह पहल सरकार द्वारा शुरू किए गए नमो ड्रोन दीदी से प्रेरित है। निसंदेह तौर पर इससे महिला रोजगार बढ़ेगा। पहले चरण में डोर टू डोर डिलीवरी का कार्य किया जा रहा है, भविष्य में ड्रोन के सारे काम महिलाओं के हाथ में होंगे। वहीं ड्रोन पायलट तनीषा ने बताया कि शहरी लॉजिस्टिक्स में अभूतपूर्व विकास हो रहा है, अकेले गुरुग्राम ने फरवरी 2025 में 1.5 लाख ड्रोन डिलीवरी दर्ज की है। जिसमें आईफोन से लेकर दैनिक किराने का सामान शामिल है।

सभी सात मिनट से कम समय में ग्राहकों तक पहुंचते हैं। इससे महिलाओं के लिए रोजगार बढ़ेगा। एक ड्रोन पायलट 20 हजार से 60 हजार तक आसानी से कमा सकती है। आने वाले कुछ महीनों में यह कमाई एक लाख तक भी हो सकती है।

बिना स्टांप ड्यूटी के बनेंगे आय-जाति और निवास प्रमाणपत्र

● राजस्व मंत्री ने किया ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति सरकार ने राज्य का बजट पेश होने से पहले बड़ी राहत दी है। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने राज्य के विभिन्न सरकारी दफ्तरों में लगने हलफनामों में 500 रुपये की स्टांप ड्यूटी को माफ करने का ऐलान किया है। इससे अब पूरे महाराष्ट्र में जाति सत्यापन प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, गैर-आपराधिक परत प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयता प्रमाण पत्र को बनवाने में स्टांप ड्यूटी नहीं देनी पड़ेगी। सरकार के फैसले से लाखों

विद्यार्थियों और लोगों को लाभ पहुंचेगा। सरकारी काम में अब उनकी जेब नहीं कटेगी। राज्य सरकार ने शपथ पत्र पर लगने वाले 500 रुपये के स्टाम्प शुल्क को माफ करने का निर्णय लिया है। अभी तक लोगों को कुछ प्रमाणपत्रों के लिए शपथ-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक था। इसके लिए हलफनामा देना पड़ता था। इसमें 500 रुपये की स्टांप ड्यूटी लगती थी। ऐसा नहीं होने पर कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता था। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने शपथपत्र पर लगने वाले 500 रुपए के स्टाम्प शुल्क को माफ करने का निर्णय लिया है। बावनकुले की तरफ से यह बयान दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) परिसर की स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

चंडीगढ़ , 5 मार्च -(संजय राय ,ब्यूरो आज का मुद्दा)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को राज्य में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) परिसर की स्थापना के लिए एक प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पहल के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री आज यहां उच्चतर शिक्षा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर भी उपस्थित थे। बैठक में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति और रजिस्ट्रार के साथ-साथ विभिन्न जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आईआईटी की स्थापना छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली, विश्व स्तरीय तकनीकी शिक्षा प्रदान करने तथा उन्हें इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालयों में विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करके उच्चतर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी शिक्षण संस्थानों में युवाओं का विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कुलपतियों से न केवल शिक्षा पर बल्कि छात्रों के लिए शोध, नवाचार और कौशल विकास पर भी ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इन उद्देश्यों के लिए एक अलग कोष आवंटित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कुलपतियों को छात्रों को अपना स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आज कई युवा बिना किसी शुरूआती निवेश के अच्छी खासी आय अर्जित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य सरकार बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों को समायोजित करने के लिए विश्वविद्यालयों में विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करके उच्चतर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में काम करेगी। रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए युवाओं का कौशल विकास आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास के

महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है, जिससे हरियाणा भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों कंपनियों के लिए अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए एक पसंदीदा स्थान बन गया है। इस वृद्धि ने उद्योगों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति की मांग पैदा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने छात्रों को कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए पलवल जिले के दुधोला गांव में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (एसवीएसयू) की स्थापना की है। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में अलग-अलग अवधि के 43 तकनीकी पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं और विभिन्न उद्योगों के साथ 200 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों के लिए 81 प्रतिशत की प्रभावशाली प्लेसमेंट दर हासिल की है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय क्षेत्र में बंचारी लोक नृत्य को बढ़ावा देकर स्थानीय कला को पुनर्जीवित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

शिक्षकों से छात्रों को विभिन्न करियर विकल्पों पर मार्गदर्शन करने का आग्रह किया गया

छात्र परामर्श के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से छात्रों को उनके लिए उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों पर मार्गदर्शन करने, उन्हें भविष्य के लिए सही रास्ता चुनने और गुमराह होने से बचने में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने चरणबद्ध तरीके से राज्य भर के सभी स्कूलों और कॉलेजों में ई-लाइब्रेरी खोलने का फैसला किया है।

चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान आत्मघाती हमले से हिला पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के बीच मिलिट्री छावनी पर हुए भीषण हमले ने पाकिस्तानी सेना और शहबाज सरकार को हिलाकर रख दिया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित बन्नू छावनी पर हुए इस हमले में कम के कम 15 लोग मारे गए हैं, जबकि लगभग 30 लोग घायल हुए हैं। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने छह आतंकवादियों के मारे जाने का दावा किया है। खुरासान डायरी की रिपोर्ट के अनुसार, बन्नू छावनी पर तीन तरफ से हमला किया गया। मंगलवार की रात विस्फोटकों से भरे वाहनों के साथ दो आत्मघाती हमलावरों ने खुद को छावनी के मुख्य चेक पॉइंट पर उड़ा लिया, जबकि एक अन्य आत्मघाती हमलावर ने दूसरे गेट पर विस्फोट किया। इसके बाद अन्य हमलावरों ने धावा बोल दिया। आतंकियों ने ग्रेनेड और भारी गोलीबारी करते हुए अंतर घुसने की कोशिश की। इस दौरान तीन हमलावर मारे गए। गोलीबारी में सुरक्षाबल का एक अधिकारी भी घायल हो गया। खुरासान डायरी ने एक अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या एयरपोर्ट पर 15 केजी सोने के साथ गिरफ्तार

कर्नाटक डीजीपी की सौतेली बेटी हैं, दुबई से लौटी थी, सोने की तस्करी का शक

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को 3 फरवरी की देर रात डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस ने 14.8 किलो सोने के साथ गिरफ्तार किया। इसकी जानकारी बुधवार (5 मार्च) को सामने आई है। रान्या कर्नाटक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। उन्होंने कन्नड़ फिल्मों माणिक्य और पाटकी में काम किया है। कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, रान्या राव दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट के जरिए भारत लौटी थीं। सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही उनकी एक्टिविटी पर नजर रख रही थीं, क्योंकि वह पिछले 15 दिनों में 4 बार दुबई जा चुकी थीं।

सपा एमएलए अबू आजमी बजट सत्र तक के लिए सस्पेंड

● औरंगजेब को लेकर दिया था विवादित बयान, योगी बोले-यूपी बुलाइए, इलाज कर देंगे

मुंबई (एजेंसी)। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने के बाद महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी को पूरे बजट सत्र के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। महाराष्ट्र का बजट सत्र 3 मार्च को शुरू हुआ और 26 मार्च को खत्म होगा। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील ने सदन में एक प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि आजमी ने जो टिप्पणी की, उससे सदन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, जिसके कारण उनकी सदस्यता को बजट सत्र के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया था।

फिर से निकलने वाला है बोफोर्स घोटाले का जिन्न

40 साल पुराने केस में भारत ने अमेरिका से मांगे अहम सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बोफोर्स तोप घोटाले की जांच फिर से शुरू हो सकती है। यह कथित घोटाला 1980 के दशक में राजीव गांधी सरकार के समय हुआ था। स्वीडन से तोपें खरीदने के सौदे में घोटाला हुआ था। सीबीआई ने अमेरिका से मदद मांगी है। कुछ दिन पहले सीबीआई ने अमेरिकी न्याय विभाग को एक पत्र भेजा है। इस पत्र को लेटर रोगेटरी कहते हैं। इसे एक विशेष अदालत ने जारी

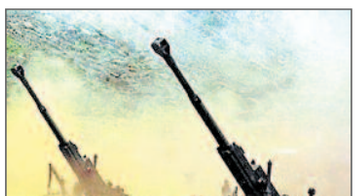

किया है। सीबीआई माइकल हर्शमैन से जुड़ी जानकारी चाहती है। हर्शमैन अमेरिका की एक प्राइवेट जासूसी कंपनी फेयरफैक्स के प्रमुख हैं। सीबीआई को शक है कि स्वीडिश कंपनी ए बी बोफोर्स ने भारत से तोपों का सौदा पाने के लिए रिश्वत दी थी। हर्शमैन के पास इस रिश्वत से जुड़ी जानकारी हो सकती है। साल 2017 में हर्शमैन ने दावा किया था कि राजीव गांधी उस समय बहुत गुस्से में थे, जब उन्हें एक स्विस बैंक खाते मौंट ब्लैंक के बारे में पता चला था। हर्शमैन के मुताबिक, इसी खाते में बोफोर्स की रिश्वत का पैसा रखा गया था।

किसानों का मार्च, पंजाब-चंडीगढ़ बॉर्डर सील

100 किसान हिरासत में, ट्रैक्टर की नंबर प्लेट पेंट कर लाए

मोहाली/चंडीगढ़ (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा ने 5 मार्च से चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। किसानों ने ट्रैक्टर ट्रालियां लेकर मोहाली से चंडीगढ़ में घुसने का ऐलान किया है। किसान एमएसपी की गारंटी के कानून समेत 13 मांगों को लेकर यह प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि अभी तक उन्हें चंडीगढ़ प्रशासन से धरने की परमिशन नहीं मिली है। इसे देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने पंजाब से सटे सारे बॉर्डर सील कर दिए हैं। यहां तक कि किसान चंडीगढ़ में न घुसें, इसके लिए पुलिस बाइक-कार सवारों के भी आईडी प्रूफ चेक कर रही है। मोहाली में रोपड़ जिले से आए 100 किसानों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उनकी 15 ट्रैक्टर ट्रॉलियां कब्जे में ली हैं। किसानों ने अपने ट्रैक्टर की नंबर प्लेट पर रंग किया हुआ है, ताकि सीसीटीवी कैमरों से उनकी पहचान न हो पाए। वहीं भारतीय किसान यूनियन (एकता-उगराहां) ने किसानों से एकजुटता की अपील की है।

मायावती के ऑफर को आकाश आनंद के पिता ने ठुकराया

नेशनल कोऑर्डिनेटर बनने से इनकार, भाई से जिम्मेदारी वापस ली

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा में शुरू हुआ पारिवारिक विवाद अब बढ़ता जा रहा है। मायावती की भतीजे आकाश आनंद से अनबन के बाद अब भाई आनंद कुमार से भी नहीं बन रही। मायावती ने 3 दिन पहले भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया था। इसके बाद उनके पिता आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, आनंद कुमार ने नेशनल कोऑर्डिनेटर पद पर काम करने से इनकार कर दिया। इसके बाद मायावती ने उनसे जिम्मेदारी वापस ले ली है। बुधवार सुबह मायावती ने एक्स पर 2 पोस्ट किए। इसमें लिखा- आनंद कुमार ने एक पद पर काम करने की इच्छा जाहिर की। इसलिए, वह पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। जबकि नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद की

जिम्मेदारी उनसे वापस ली जा रही है। इसके अलावा, मायावती ने पार्टी में कई बड़े फेरबदल का ऐलान किया है। सहारनपुर के रहने वाले रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी है। मायावती ने कहा- अब राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और रणधीर बेनीवाल, दोनों पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर के रूप में मेरे निर्देशन में काम करेंगे। इससे पहले, आकाश के ससुर और फिर उन्हें पार्टी से निकाल दिया था। 2 दिन पहले ने मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाल दिया था। कहा था- आकाश को पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी, लेकिन आकाश ने जो प्रतिक्रिया दी, वह राजनीतिक मैच्योरिटी नहीं है। वो अपने ससुर के प्रभाव में स्वार्थी, अहंकारी हो गया है।

नई पहचान | **हिंदू पक्ष ने कहा-ये मस्जिद कहेंगे तो हम मंदिर, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया**

संभल की जामा मस्जिद अब विवादित ढांचा कहलाएगी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान संभल की शाही जामा मस्जिद को विवादित ढांचा लिखवाया। कोर्ट में मस्जिद की रंगाई-पुताई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई चल रही थी। हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन ने कहा- ये (मुस्लिम पक्ष) मस्जिद कहेंगे तो हम मंदिर कहेंगे, राम मंदिर के केस में भी उसे (बाबरी मस्जिद) विवादित ढांचा ही कहा जाता था। इसके बाद जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल ने कहा- हम देखते हैं। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट मस्जिद कमेटी की अर्जी पर 10 मार्च को सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान एएसआई की रिपोर्ट पर मस्जिद कमेटी ने आपत्ति दर्ज कराई। एएसआई ने मस्जिद कमेटी की आपत्ति पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। जिसके बाद कोर्ट ने एएसआई को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। मस्जिद कमेटी का कहना है कि मस्जिद की साफ-सफाई शुरू हो गई है, लेकिन नमाज के लिए सफेदी की भी इजाजत दी जाए। इसके अलावा मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट से एएसआई की रिपोर्ट खारिज करने की मांग की। कहा कि एएसआई गार्जियन है, मालिक नहीं। एएसआई के वकील ने कहा कि हमने सफेदी की जरूरत मस्जिद में नहीं देखी है। पिछली सुनवाई में एएसआई ने अपनी रिपोर्ट में

कहा था कि सफेदी की जरूरत नहीं है, सफाई कराई जा सकती है। हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी को एएसआई की रिपोर्ट पर आपत्ति दाखिल करने की अनुमति दी थी। दरअसल, संभल की जामा मस्जिद प्रबंधन समिति ने अर्जी दायर करके रमजान महीने के मद्देनजर संभल की जामा मस्जिद की सफेदी और सफाई की मांग की थी। 28 फरवरी को जारी आदेश में कोर्ट ने एएसआई को मस्जिद परिसर की सफाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन रमजान से पहले सफेदी करने की अनुमति नहीं दी थी। कोर्ट ने मस्जिद का निरीक्षण करने और इसकी स्थिति पर एक व्यापक रिपोर्ट पेश करने के लिए 3 सदस्यीय एएसआई टीम के गठन का भी आदेश दिया। 28 फरवरी की शाम एएसआई टीम ने जामा मस्जिद का सर्वे किया। साथ में मुस्लिम पक्ष के वकील जफर अली भी थे।

कांशी राम की विरासत और मायावती की तर्ज-ए-सियासत

निर्मल रानी

सच तो यह है कि मायावती के नेतृत्व में बसपा का न केवल समाज में प्रभाव कम होता जा रहा है बल्कि संगठन भी बिखराव के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों जिसतरह उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी मुख्य पदों से हटा दिया और दो दिन बाद ही उन्हें पार्टी से निष्कासित भी कर दिया उससे भी यही सन्देश गया कि मायावती को अपने परिवार के बाहर भी कोई उत्तराधिकारी नजर नहीं आया और जिस भतीजे को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी बनाया भी उससे भी जल्द ही पीछा छुड़ा लिया? इस तरह के ढुलमुल फैसलों का प्रभाव निश्चित रूप से पार्टी पर जरूर पड़ेगा। सच तो यही है कि कांशी राम की विरासत के रूप में मिले व्यापक जनाधार वाले राजनैतिक दल को मायावती की तर्ज-ए-सियासत के चलते काफी नुकसान हुआ है।

दशक 1980 में बसपा प्रमुख कांशी राम पूरे देश में घूम घूम कर भारतीय समाज को 85 : 15 का जनसँख्या अनुपात समझाते थे और यह बताते थे कि 15 प्रतिशत कथित उच्च जाति के लोग शेष 85 प्रतिशत जातियों व समुदायों के लोगों पर राज कर रहे हैं। और तभी यह नारा प्रचलित हुआ था - वोट हमारा, राज तुम्हारा - नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। जैसे जैसे कांशी राम के नेतृत्व में यह बहुजन आंदोलन आगे बढ़ता गया वैसे वैसे मनुवाद तथा सनातन व्यवस्था में उल्लिखित वर्ण व्यवस्था पर इनका आक्रमण और तेज होता गया। यहाँ तक कि 'तिलक, तराजू और तलवार जैसा 'अभद्र नारा भी उन्हीं दिनों में खूब प्रचलित हुआ। यही वह आंदोलन था जिसमें दलित पिछड़े व अल्पसंख्यक वर्ग के लोग जुड़ते चले गये। यानी कांग्रेस का परम्परागत वोट बैंक धीरे धीरे खिसकना शुरू हो गया। इसी बीच कांशीराम ने 1984 में बहुजन समाज पार्टी नामक एक नये राजनैतिक दल की स्थापना कर दी। उसी दौरान कांशी राम की भेंट मायावती से हुई जोकि उस समय वकालत व बी एड करने के बाद दिल्ली इंद्रपुरी स्थित जेजे कॉलोनी में एक अध्यापिका के रूप में कार्यरत थीं और साथ ही सिविल सर्विसेज परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही थीं। तभी कांशी राम ने मायावती के तेज तर्रार व्यक्तित्व से प्रभावित होकर कहा था कि - 'मैं तुम्हें एक दिन इतना बड़ा नेता बना सकता हूं कि एक नहीं बल्कि आईएएस अधिकारियों की पूरी कतार तुम्हारे आदेशों का पालन करने के लिए लाइन में खड़ी हो जाएगी।' तभी से वे कांशी राम के सहयोगी के रूप में उनके साथ प्रायः देखी जाने लगीं तथा उनके 'क्रन्तिकारी ' व उत्तेजक भाषण भी लोगों को प्रभावित करने लगे।

कांशीराम का 9 अक्टूबर 2006 को 72 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। कांशीराम के जीवन के अंतिम दौर में उनकी विरासत को लेकर बसपा के भीतर तथा कांशीराम के परिजनों के द्वारा काफी विवाद भी खड़ा किया गया। परन्तु तेज तर्रार मायावती तब तक कांशी राम पर व उनकी विरासत रुपी बसपा पर पूरा नियंत्रण कर चुकी थीं। यही वजह थी कि बौद्ध धर्म के अनुसार हुये कांशीराम के अंतिम संस्कार में उनके परिजनों ने नहीं बल्कि स्वयं मायावती ने ही उनकी

चिता को अग्नि दी। अब पार्टी में उन्हें 'बहन जी ' के नाम से बुलाया जाने लगा। कांशीराम के नेतृत्व में ही बीएसपी ने 1999 के संसदीय चुनावों में 14 संसदीय सीटें जीतीं थीं। मायावती को चार बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर बैठने का भी सौभाग्य हासिल है। परन्तु यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस बसपा को कांशीराम ने एक मिशन के रूप में स्थापित किया था और कांशी राम के जिस मिशन से बड़े सामाजिक परिवर्तन की आहट महसूस हो रही थी, पार्टी पर मायावती का वर्चस्व होने के बाद वही मिशन, वही पार्टी अब सत्ता, वैभव, आत्ममुग्धता और परिवारवाद का शिकार होती नजर आने लगी। यहाँ तक कि केवल सत्ता हासिल करने के लिये बुनियादी विचारों से भी समझौता करने लगीं। जिस 'मनुवादी ' व्यवस्था के विरुद्ध बसपा का जन्म हुआ था, 2007 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में उसी ब्रह्मण समुदाय के समर्थन की जरुरत महसूस हुई तो तिलक, तराजू और तलवार जैसा नारा भी बदल गया। 2007 में बहुजन समाज पार्टी, सर्वजन समाज की बातें करने लगी। और यह नया नारा लगा - हाथी नहीं, गणेश है, ब्रह्मा, विष्णु, महेश है। उस समय उत्तर प्रदेश में 37 प्रतिशत ब्राह्मणों ने पार्टी को वोट दिया था।

परन्तु चार बार देश के सबसे बड़े राज्य का मुख्यमंत्री बनने के बाद अन्य सत्ताधीशों की ही तरह मायावती भी अहंकार के साथ साथ परिवारवाद का भी शिकार होती चली गयीं। कभी अपने को जिंदा देवी बतातीं तो कभी अपने भाई व भतीजे के मोह में डूबती नजर आतीं। कभी अपनी हार का ठीकरा मुसलमानों पर फोड़तीं तो कभी उनपर पार्टी का टिकट बांटने में लोगों से करोड़ों रुपए वसूलने का आरोप लगा। हद तो यह कि अपने जीवनकाल में ही मायावती ने बाबा साहब आंबेडकर व कांशी राम के साथ ही अपनी भी प्रतिमायें लगवा डालीं। जिसतरह कांशी राम को अपने परिवार से अलग उत्तराधिकारी के रूप में मायावती नजर आयी थीं उस तरह मायावती को परिवार से बाहर अपनी पार्टी का कोई योग्य नेता नजर ही नहीं आया। और आखिरकार मायावती के इन्हीं स्वार्थपूर्ण फैसलों के चलते उनकी पार्टी का जनाधार घटता चला गया। पिछले लोकसभा चुनावों से पूर्व जब इण्डिया गठबंधन वजूद में आया तो मायावती उस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनीं। उसी समय यह अंदाजा लगाया जाने लगा था कि मायावती भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रही हैं। इसके पीछे के कारणों से भी अनेक राजनैतिक विश्लेषक बखूबी वाकिफ हैं। पिछले दिनों दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान राहुल गांधी ने मायावती पर बीजेपी को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए स्पष्ट रूप से यह कह दिया था कि यदि बीएसपी 'इंडिया' गठबंधन में होती तो पिछले वर्ष हुये लोकसभा चुनावों में एनडीए की जीत नहीं होती। इस आरोप से तिलमिला कर मायावती ने कांग्रेस को ही बीजेपी की 'बी' टीम बता डाला। जबकि देश देख रहा है कि इस समय देश में सत्ता, भाजपा व संघ के विरुद्ध जितना राहुल गाँधी मुखर हैं उतना कोई नहीं जबकि मायावती के रवैये से तो पता ही नहीं चलता की वे विपक्ष में हैं या सत्ता के साथ?

सच तो यह है कि मायावती के नेतृत्व में बसपा का न केवल समाज में प्रभाव कम होता जा रहा है बल्कि संगठन भी बिखराव के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों जिसतरह उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी मुख्य पदों से हटा दिया और दो दिन बाद ही उन्हें पार्टी से निष्कासित भी कर दिया उससे भी यही सन्देश गया कि मायावती को अपने परिवार के बाहर भी कोई उत्तराधिकारी नजर नहीं आया और जिस भतीजे को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी बनाया भी उससे भी जल्द ही पीछा छुड़ा लिया? इस तरह के ढुलमुल फैसलों का प्रभाव निश्चित रूप से पार्टी पर जरूर पड़ेगा। सच तो यही है कि कांशी राम की विरासत के रूप में मिले व्यापक जनाधार वाले राजनैतिक दल को मायावती की तर्ज-ए-सियासत के चलते काफी नुकसान हुआ है।

संपादकीय

जिक्र न था फसाने में

जरात पुलिस की खिंचाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संविधान के अस्तित्व के 75 साल बाद भाषण और अभिव्यक्ति की आजादी को कम से कम अब पुलिस को समझना चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने इस साल की शुरूआत में जामनगर में शादी समारोह में भाग लेने के बाद इंस्टाग्राम पर वीड़ियो पोस्ट किया। इसमें बैकग्राउंड़ में कविता है-ए, खून के प्यासे बात सुनो। कविता के इन शब्दों को आपत्तिजनक माना गया। पीठ ने इमरान द्वारा दायर अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसने उनके खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने से इंकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि पुलिस को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। गुजरात की तरफ से पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता के यह कहने पर कि लोगों ने इसका अर्थ अलग-अलग तरीकों से समझा होगा। इसे सड़क छाप टाइप की कविता ठहराने पर अदालत ने कहा कि अब किसी को रचनात्मकता का सम्मान नहीं है। कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढक्षी पर धारा 196 (धर्म, जाति, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भावना के लिए हानिकारक काम करना) 197 (राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक दावे, 299 (जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण कार्य, किसी धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान), 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से कुछ बोलना), 57 (आम जनता या दस से ज्यादा लोगों को अपराध के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया जिससे पहली नजर में स्पष्ट है कि विपक्षी दल के नेता के खिलाफ निजी वैमनस्यता और पूर्वाग्रहीत कारणों से जबरन मामले को गंभीर बनाने की कोशिशें की गई हैं। धर्म के आधार पर देशवासियों के दरम्यान गहरी खाई पैदा करने वाली विचारधारा ने समाज में संकीर्णता को प्रोत्साहित करने का काम किया है, जो बाल की खाल निकाल कर असहिष्णुता और नकारात्मकता फैलाने का काम करने में मशगूल है। उक्त मिसरा के शायर फैज का शेर यहां सटीक बैठता है-सारे फसाने में जिसका जिक्र न था/वो बात उनको बहुत नागवार गुजरी। रही बात पुलिस की तो उसकी खाकी को खौफ का पर्याय बनाने में राजनेताओं का बड़ा हाथ है। ऐसे में उनसे संवेदनशीलता और समझदारी की उम्मीद बमुश्किल ही की जा सकती है।

सूक्ति

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता।
- स्वामी भजनानंद

सबसे उत्तम विजय प्रेम की है जो सदैव के लिए विजेताओं का हृदय बाँध लेती है।
-सम्राट अशोक

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तर दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

शेयर बाजार की गिरावट रोकने सेबी पर भरोसा जगाना होगा

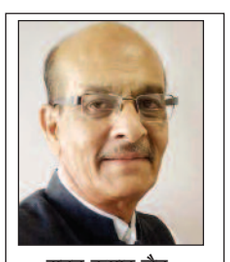

सनत कुमार जैन

पांच महीने से ज्यादा हो गए, शेयर बाजार में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले कुछ सालों में जिस तरह से शेयर बाजार का फुग्गा फुलाया गया था, पिछले 5 महीने में तेजी के साथ उसकी हवा निकल रही है। शेयर बाजार में अभी तक निवेशकों को 95 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से बाहर निकलना शुरू किया। अब देसी निवेशक भी बड़ी संख्या में शेयर बाजार से शेयर बेचकर बाहर निकल रहे हैं। छोटे-छोटे देसी निवेशकों का मोह भी बुरी तरह से भंग हुआ है। शेयर बाजार को लेकर पहली बार निवेशकों में यह धारणा बनी है। संगठित रूप से उनके साथ लूट की जा रही है। जब हिंडनवर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय भारतीय शेयर बाजार की गड़बड़ियों को उजागर किया गया था। सेबी ने उसको संज्ञान में नहीं लिया। शार्ट सेलिंग के जरिए कैसे शेयर के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा जिस तरह की धोखाधड़ी शेयर बाजार में की जा रही थी। इसका खुलासा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में हुआ था। शॉर्ट सेलिंग के लिए अवैध रूप से विदेशी कंपनियों का धन शेयर बाजार में अवैधानिक रूप से लगाया गया था। इसका खुलासा होने के बाद सेबी ने कोई जांच नहीं की। सुप्रीम कोर्ट ने भी जांच में लीपापोती करके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जिसके कारण विदेशी निवेशकों का रुझान भारतीय शेयर बाजार से उठने लगा। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय शेयर बाजार में निवेश के लाभ पर जिस तरीके से लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन की वसूली की जा रही है, उसने भी निवेशकों का आकर्षण भारतीय शेयर बाजार से कम कर दिया है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों पर टैक्स लगता है। कई देशों में इस तरह का टैक्स नहीं है। जिसके कारण कैपिटल गैन के कारण विदेशी निवेशकों का पलायन भारतीय शेयर बाजार से अन्य देशों के शेयर बाजार में निवेश होना शुरू हो गया है। पिछले 5 महीने में विदेशी निवेशकों ने 3 लाख करोड रुपए की बिकवाली की है, जिसके कारण नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 15 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। कंसल्टेंसी और एकाउंटिंग से जुड़े अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैक्सेशन के कारण विदेशी निवेशकों का मोह भारतीय शेयर बाजार से भंग हो गया है। देसी निवेशक भी कैपिटल गेन टैक्स की वसूली से नाराज हैं। भारतीय निवेशक शेयर बाजार से निवेश निकालकर सोने और चांदी में निवेश कर रहे हैं। जिसके कारण बाजार में लगातार बिकवाली और गिरावट देखने को मिल रही है। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को विदेशी निवेशकों से कैपिटल गेन टैक्स की वसूली का प्रावधान तुरंत समाप्त करना चाहिए। 2024 के बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कैपिटल गेन टैक्स की दर ढाई फीसदी से लेकर 5 फीसदी तक बढ़ा दिया गया था। बाजार नियामक संस्था सेबी की कार्यप्रणाली पर निवेशकों का भरोसा खत्म हो गया है। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर बड़े गंभीर आरोप हैं। वह जेपीसी के सामने प्रस्तुत नहीं हुई। केंद्र सरकार के संरक्षण और आरोपों की जांच नहीं होने से निवेशकों का विश्वास शेयर बाजार मे नही रहा। हाल ही में वित्तीय संस्थाओं द्वारा शेयर बाजार की गिरावट रोकने के लिए निवेश किया गया। वह बाजार में कुछ ही घंटे के अंदर बाहर निकल गया। निवेशकों के बीच बाजार से निकलने की होड़ लगी हुई है। शेयर बाजार से जुड़े निष्पक्ष अर्थशास्त्रियों का कहना है, सरकार को सेबी की कार्य प्रणाली को पारदर्शी बनाना होगा। सेबी के अधिकारियों को सजग और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। शेयर बाजार को हवा भरकर फुलाया जा रहा था। सेबी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी थी। सेबी ने आम निवेशकों के हित में काम नहीं किया। सरकार जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारियों को बचा रही है, जिसके कारण निवेशकों को शेयर बाजार में भरोसा नहीं रहा।

मुद्दा: जलवायु कार्ययोजना की अनदेखी

सुरेश भाई

जलवायु परिवर्तन पर देश-विदेश में सम्मेलन और संवाद हो रहे हैं। इसके बावजूद ऐसी कोई ह्यजलवायु कार्ययोजना' नहीं है, जहां लोगों को जलवायु संकट से बचाया जा सके। देश के पूर्व, पश्चिम और मध्य हिमालय में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न हो रही समस्याओं के विषय पर वैज्ञानिकों की सलाह को गंभीरता से समझना जरूरी है। मौसम विभाग भी सही जानकारी दे रहा है।

फरवरी के अंत से मार्च के प्रथम सप्ताह तक मौसम विभाग के अलर्ट में उत्तराखंडङ्क हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के 3000 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के संकेत दिए गए थे। लेकिन इसके बाद जो सावधानी बरती जानी चाहिए थी उसमें गैर-जिम्मेदारी सामने आई है। उदाहरण है कि उत्तराखंड में सीमा क्षेत्र के पहले गांव माणा में सड़क चौड़ीकरण में लगे 55 मजदूरों का हिमस्खलन की चपेट में आना। वे बर्फ के नीचे दब गए। हेली सेवाओं,आईटीबीपी और सेना के 200 जवानों द्वारा 44 लोगों को बड़ी मुश्किल से रेस्क्यू किया जा सका। यदि मौसम विभाग द्वारा बताई गई सावधानियों के प्रति गंभीरता दिखाते तो इतने लोगों को बचाने में जो ऊर्जा खर्च हुई है और आठ लोगों की जिंदगी समाप्त हो गई, उन्हें भी बचाया जा सकता था। बद्रीनाथ के पास स्थित माणा बाईपास के निर्माण में लगे मजदूरों को इस दौरान छुट्टी दे देनी चाहिए थी क्योंकि इस दौरान 10 हजार फीट की ऊंचाई पर मजदूरों के रहने लायक स्थितियां नहीं हैं, और उनसे काम भी नहीं करवाया जा सकता। समझना जरूरी है कि 2021-24 के बीच यहां आसपास हिमस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं। केदारनाथ में 2013 की आपदा के बाद से चोराबाड़ी ग्लेशियर से हिमस्खलन की घटनाएं थम नहीं रही हैं। माणा में जहां मजदूरों को रात में रहने की व्यवस्था थी वहां पर पहले भी हिमस्खलन हुआ है। ध्यान देना जरूरी है कि वर्षा और बर्फबारी का समय बिल्कुल बदल चुका है जिससे ग्लेशियरों की सतह कमजोर पड़ रही है। शीतकाल के समय तापमान बढ़ रहा है। दिसम्बर-जनवरी में दोपहर के समय केदारनाथ जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्र में तापमान 12-16 डिग्री तक दर्ज किया गया है। पिछले वर्षों में भी जनवरी में दोपहर का तापमान 20 डिग्री तक पहुंचा है। यही स्थिति केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ के ग्लेशियरों की है जिसके कारण बेमौसमी बर्फ पिघलने की गति बढ़ती जा रही है।

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिक डॉ. मनीष मेहता के अनुसार पहले दिसम्बर-जनवरी में गिरने वाली बर्फ शुष्क होती थी जिससे हिमस्खलन कम होता था और यह बर्फ ग्लेशियर पिघलाने की गति को भी कम करता था। लेकिन कुछ वर्षों से मौसम में बदलाव होने से नवम्बर-जनवरी तक बर्फबारी बहुत कम हो गई है। फरवरी-मार्च में पड़ने वाली बर्फ बढ़ते तापमान के कारण जम नहीं पाती है। माणा में हिमस्खलन का कारण भी यही बताया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से बद्रीनाथ के ग्लेशियरों से लगातार एवलांच की घटनाएं हो रही हैं। भू-वैज्ञानिक एसपी सती ने 2021 में चिपको नेत्री गौरा देवी के गांव रैणी के निकट हिमस्खलन की घटना के बाद इस घाटी के संवेदनशील बर्फ वाले इलाके चिन्हित किए थे जहां हिमस्खलन की आशंका है। माणा के पास मजदूरों का कैंप भी इसी तरह के क्षेत्र में स्थित था। लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। पुराने समय में यहां मानवीय आवाजाही कम थी। कहा जाता है कि बद्रीनाथ धाम में बर्फ की चोटियों में कंपन न हो, इसलिए मंदिर में शंख नहीं बजता था। लेकिन अब इसी क्षेत्र में मानवीय गतिविधियां इतनी बढ़ गई हैं कि बद्रीनाथ मास्टर प्लान के तहत सड़क निर्माण में तेज ध्वनि करने वाली जेसीबी मशीनों का प्रयोग हो रहा है। अंधाधुंध हेली सेवाएं जारी हैं। जलवायु नियंत्रित करने वाले वनों का तेजी से क्षरण हो रहा है, जिसका ग्लेशियरों पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। बद्रीनाथ में नीलकंठ, नरनारायण, कंचन गंगा, सतोपंथ, माणा और कुबेर पर्वत स्थित है। अन्य चोटियां भी हैं, जो बर्फ से ढकी रहती हैं।

यहां जो निर्माण हो रहा है उसका प्रभाव बढ़ते तापमान से साफ नजर आ रहा है। लोग कहते हैं कि सदियों पूर्व बद्रीनाथ मंदिर का जब निर्माण हुआ तो स्थानीय और लोक विज्ञान के पहलू को ध्यान में रखते हुए मंदिर बनाया गया था। इसी दौरान गंगोत्री के पास हर्षिल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शीतकाल यात्रा का संदेश देने के लिए पहुंचना था जिसे मौसम के कारण 6 मार्च के लिए बदला गया। हिमाचल में भी भारी भूस्खलन के चलते 480 सड़क बंद रहीं। जगह-जगह पर आठ लोगों की मौत हुई। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित होने के कारण हजारों लोग फंसे रहे। जलवायु परिवर्तन की ऐसी घटनाएं भविष्य में और बढ़ सकती हैं। इसलिए साल भर में जलवायु का कैलेंडर बनना चाहिए। पेड़-पौधे, जीव-जंतु, जल संरक्षण की दिशा में प्रयास करने होंगे। शीतकालीन सैलानी, पर्वतारोही मौसम की अनदेखी न करें। मनुष्य को अपने लालच की योजनाओं पर नियंत्रण करके प्रकृति को बचाने की दिशा में एकजुट प्रयासों को महत्त्व देना होगा।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा **RNI.NO.UPHIN/2011/37197,** 9310549614
किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

एसएसपी ने आगामी त्यौहारो के अवसर पर जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस-फोर्स के साथ कोतवाली नगर क्षेत्र में किया पैदल गश्त

आज का मुद्दा (आशीष कुमार)
बुलंदशहर : बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर श्लोक कुमार द्वारा आगामी त्यौहारो के अवसर पर जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक नगर शंकर प्रसाद व सहायक पुलिस अधीक्षक नगर ऋजुल कुमार सहित पुलिस-फोर्स के साथ आम जनमानस में सुरक्षा के भाव को सुदृढ़ करने के दृष्टिगत कोतवाली नगर क्षेत्र में पैदल मार्च किया गया तथा आम जनमानस से अनुरोध किया गया कि त्यौहारो पर शांति एवं कानून व्यवस्था, सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें, असामाजिक तत्वों तथा किसी भी प्रकार की अफवाह व उन्माद फैलाने वालों के बारे में तत्काल 112 नम्बर अथवा संबंधित थाना प्रभारी को सूचित करें।

डीएम की अध्यक्षता में जिला प्रदर्शनी की बैठक सम्पन्न हुई

आज का मुद्दा

बुलन्दशहर : कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति की अध्यक्षता में जिला प्रदर्शनी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार द्वारा बताया गया कि जिला प्रदर्शनी का आयोजन प्रत्येक वर्ष माह मार्च के प्रथम सप्ताह से अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक किया जाता रहा है। जिला प्रदर्शनी का आयोजन अलीगढ़ में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी के पश्चात किया जाता है। वर्ष 2025 में आयोजित होने वाली जिला प्रदर्शनी के आयोजन के सम्बन्ध में समिति के समस्त सदस्यों द्वारा 21 मार्च 2025 से 15 अप्रैल 2025 तक प्रस्ताव दिया गया, जिसपर जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति द्वारा समिति सदस्यों के प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गई। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट द्वारा बताया गया कि प्रदर्शनी के आयोजन के समय बरसात होने से प्रदर्शनी मैदान में बने संजय बाजार में पानी भर जाने के कारण दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित हो जाता है जिससे दुकानदारों एवं प्रशासन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिसपर जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति द्वारा नगर मजिस्ट्रेट को उक्त बाजार में सडक निर्माण (इंटर लॉकिंग) कराये जाने हेतु स्थलीय निरीक्षण कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा जिला प्रदर्शनी में स्थापित खराब हाईमास्क लाइटों को ठीक कराने व प्रदर्शनी से सम्बन्धित अन्य व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डा0 प्रशान्त कुमार व समिति के सदस्यों सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में घर बनाने वालों को बड़ी राहत, अब नक्शा पास करवाने के लिए नहीं जाना होगा कलेक्ट्रेट

आज का मुद्दा

(अंकुरित ओझा) गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से मकान बनाने वालों को लेकर बड़ी खबर आई है। अगले माह यानी अप्रैल से नक्शा पास करवाने के लिए लोगों को कलेक्ट्रेट का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। कलेक्ट्रेट में रखे सभी डॉक्यूमेंट को जीडीए में रखवाया जा रहा है। इसके लिए जीडीए ने करीब आठ लोगों की टीम बनाई है। कलेक्ट्रेट में एक बड़ी स्कैनर मशीन लगाई गई है, जिससे सभी ओरिजनल कागजात को स्कैन किया जा रहा है। मार्च के अंत तक यह काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद मैप के लिए लोगों से किसी प्रकार के कागजात के मांगने की जरूरत नहीं होगी। इस कवायद से तेजी के साथ कम समय में नक्शे पास हो जाएंगे। जीडीए योजना के बाहर नक्शा पास करवाने के लिए, आवेदन करने पर जीडीए के मास्टरप्लान के इंजीनियर जमीन के स्वामित्व समेत अन्य कई तरह के कागजात कलेक्ट्रेट से लेकर आने को बोलते थे। आवेदक कई दिन तक तहसील का चक्कर लगाता रहता था। वहां पर काफी मशक्कत के बाद जब उसे कागजात मिलते थे तो वह लाकर जीडीए में जमा करवाता था। इस प्रक्रिया में कई बार 15 से 20 दिन का समय निकल जाता था। इसकी वजह से नक्शा पास होने में विलंब होता था। मानचित्र समाधान दिवस में यह मामला उठा। मास्टरप्लान के इंजीनियर से पता चला कि आवेदक की तरफ से कलेक्ट्रेट वाले कागजात जमा नहीं करवाए गए, जिसकी वजह से नक्शा पास करने में देरी हो रही है। इस पर जीडीए वीसी ने डीएम से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जीडीए योजना के बाहर की जमीनों के संबंधित कागजात को स्कैन करके एक कॉपी जीडीए में रख लिया जाए। इससे नक्शा पास करवाने में पब्लिक को कम समय लगेगा। डीएम की परमिशन मिलने के बाद वहां पर टीम लगाकर स्कैन करवाने का काम शुरू करवा दिया गया है। कुछ दिन पहले ही जीडीए वीसी को नक्शा के पास करवाने में जिला प्रशासन के साथ ही निगम से एनओसी लिए जाने के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि जब जिला प्रशासन की तरफ से जमीन की एनओसी ली जाती है तो निगम से एनओसी लिए जाने की क्या जरूरत है। उन्होंने निगम से एनओसी सिस्टम को बंद करवाया।

सिकंदराबाद वार्ड-8 में पानी निकासी के नहीं इंतजाम

बुलंदशहर : के सिकंदराबाद नगर के मोहल्ला छांसियावाड़ा वार्ड नंबर 8 में पानी निकासी के पुख्ता इंतजाम नही होने के चलते घरों से मोहल्ले वासियों का निकलना दूबर हो गया है। नालिया चौक होने से गंदा पानी गली के रास्ते पर फैल रहा है। गलियों में गंदा पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। ऐसे में वार्डवासियों को डेंगू व मलेरिया जैसी गम्भीर बीमारियों के होने की आशंका का भय सता रहा है। पानी निकासी का इंतजाम किया जाए वार्डवासी रामोतार सैनी, सुदेश सैनी, बंटी प्रजापत, अजय सैनी, घनश्याम सैनी, पुष्पा देवी, उर्मिला देवी, लता देवी, सुनीता आदि ने बताया कि गलियों में गंदा पानी जमा होने के चलते घरों से बाहर निकला भी मुश्किल हो गया है। छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल जाने में कड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत के बावजूद भी समस्या का समस्या का समाधान नही हुआ है। वार्डवासियों में नगरपालिका के खिलाफ रोष है। सभासद का किया कहना है वार्ड

नंबर 8 की सभासद सोनिया सैनी का कहना है कि वार्ड में नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसके चलते पानी की निकासी नही हो पा रही है। सफाई कर्मचारियों को मौके पर भेज कर गलियों में जमा हो रहे गंदे पानी को निकलवा दिया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय बी०बी०नगर में त्रिदिवसीय रेन्जर्स रोवर्स प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र का हुआ आयोजन

बुलन्दशहर (कपिल देव इन्सा)बुधवार को राजकीय महाविद्यालय बीबी नगर में त्रिदिवसीय रेन्जर्स रोवर्स प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। शिविर उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्या प्रो० डॉ० जीनत जैदी ने की , वहीं शिविर के रोवर्स लीडर व वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ० शरद कुमार भटनागर ने अपने स्त्रीय भाषण में तीन दिवसों में होने

वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला। रोवर्स व रेन्जर्स में समता मूलक समाज की स्थापना की भावना , विभिन्न कठिन परिस्थितियों से जूझने की क्षमता के विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां इस सत्र में प्रतिभागियों के साथ साझा की गईं। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए जिला मुख्यालय बुलन्दशहर से राज्यपाल सम्मान से सम्मानित अमित कुमार गौतम और खुर्जा क्षेत्र से अंशु प्रताप भी उपस्थित रहे , वहीं रेन्जर्स लीडर तथा इतिहास विभागाध्यक्षा श्रीमति नाजमीन भी सत्र के उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ० राजेश कुमार ने किया तथा अन्य शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी इस सत्र में उपस्थित रहे।

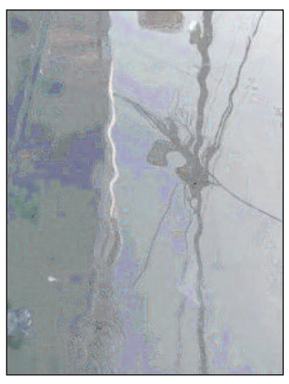

जातिसूचक शब्द बोले, विरोध पर बर्फ फोड़ने वाले सुएँ से की हत्या, अब जेल में काटनी पड़ेगी पूरी उम्र

आज का मुद्दा
बुलंदशहर। कोर्ट ने दलित युवक की हत्या के आरोप में 5 युवकों को दोषी माना है। दोषी पाए गए युवकों ने दलित युवक के लिए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया था। विरोध करने पर युवकों ने बर्फ तोड़ने वाले सुएँ से ताबड़तोड़ वार कर दलित युवक की सरेआम हत्या कर दी थी। सनसनीखेज हत्याकांड से इलाके में दहशत पैदा हो गई थी। वर्ष-2014 में बुलंदशहर कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव कादिरपुर निवासी सोनू शर्मा, धीरज शर्मा, गोपाल शर्मा, योगेश शर्मा और विपिन शर्मा ने अपने गांव के मनवीर के साथ जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया था। जिसका मनवीर ने विरोध किया था। आरोपियों ने दलित मनवीर के साथ मारपीट की और बर्फ के सुएँ से ताबड़तोड़ कई वार कर उसकी हत्या कर दी थी। 8 जुलाई वर्ष-2014 को पीड़ित परिवार की ओर से थाना कोतवाली देहात में आईपीसी की धारा 302,147,148,149,323 व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर के बाद तफ्तीश की गई और पांचों आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद कोर्ट ने सबूत और गवाहों के मद्देनजर आज पांचों आरोपियों को दोषी ठहराया गया। कोर्ट ने पांचों आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई है, साथ ही 20-20 हजार का जुर्माना भी कोर्ट ने लगाया है।

15 गवाहों के बयान बने नजीर
दलित मनवीर की हत्या मामले में 15 गवाहों को कोर्ट ने सुना। तमाम गवाहान के बयानात और सुबूतों का अवलोकन कर जज ओमप्रकाश वर्मा, स्पेशल एससी/एसटी एक्ट ने पांचों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। दोषियों पर 20-20 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

दलित परिवार न्याय से सन्तुष्ट
दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद पीड़ित दलित परिवार काफी हद तक सन्तुष्ट दिखा। उन्होंने कहा 11 बरस की लंबी लड़ाई के बाद आखिर न्याय मिल ही गया। उन्होंने न्याय की आस छोड़ दी थी क्योंकि आरोपी रसूख और दौलतमंद थे। वहीं, हत्या के दोषियों के परिजनों का कहना है वह आगे कानूनी लड़ाई लड़ेंगे और खुद को बेगुनाही साबित करेंगे।

ऑपरेशन कनविक्शन में बुलंदशहर नम्बर-1
ऑपरेशन कनविक्शन के तहत यूपी में बुलंदशहर जिला अव्वल नंबर पर है। जिले में इफेक्टिवली पैरवी के चलते चार लोगों को कोर्ट ने अब तक फांसी की सजा सुनाई है। इसके अलावा यहां औसतन हर रोज एक आपराधिक मामले में दोषियों को सजा सुनाई जाती है, यही वजह है ऑपरेशन कनविक्शन में बुलंदशहर की रैंक यूपी में पहले नंबर पर है।

एसएसपी का बयान...
एसएसपी बुलंदशहर श्लोक कुमार ने बताया पुलिस महानिदेशक के आदेश पर ऑपरेशन कनविक्शन चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इन्होंने दलित युवक की बेरहमी से हत्या कर सनसनी फैला दी थी।

उपजिलाधिकारी सदर ने घटना स्थल पर पहुँचकर तालाब पर हो रहे अवैध कब्जे का लिया जायजा

बुलन्दशहर (कपिल देव इन्सा) सदर उपजिलाधिकारी नवीन कुमार ने बुधवार को औरंगाबाद कस्बे में पहुँच कर अजीजाबाद रोड़ पर बड़े तालाब में भराव कर भूमाफियाओं द्वारा किये जा रहे अवैध कब्जे का मौका मुआयना किया और नगर पंचायत को पैमाइश पूरी होने तक यथा स्थिति कायम रखने के कड़े निर्देश दिए,घटना स्थल पर मंगलवार की रात में राजस्व विभाग और नगर पंचायत की संयुक्त टीम ने जबरन कब्जे हेतु डंपरों की मदद से किये जा रहे मिट्टी भराव कार्य को

मौके पर पहुँचकर रुकवा दिया था। इस मामले की शिकायत अनेक सभासदों ने शासन प्रशासन से की थी और मीडिया में यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी। उपजिलाधिकारी सदर ने स्पष्ट रूप से कहा कि अवैध कब्जे को सहन नहीं किया जायेगा मामले में कठोर कार्यवाही होगी। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी सेवा राम राजभर, लेखपाल उमेश वर्मा, नगर पंचायत कर्मचारी विजय सिंह, नेमपाल सिंह, शकील अहमद आदि मौजूद रहे।

चकबंदी विभाग ने गांव में लगाई लोक अदालत मुकदमा संबंधित किसानों की हुई सुनवाई

आज का मुद्दा -बुलंदशहर शिकारपुर क्षेत्र के गांव महमूदपुर में चकबंदी अधिकारी अजय कुमार पोरवाल के द्वारा गांव के लोगों की शिकायत पर चकबंदी समस्याओं को लेकर गांव की प्राइमरी स्कूल में लोक अदालत लगाई गई जिसमें ग्रामीणों के मुकदमा संबंधित सुनवाई की गई और लोगों के द्वारा जो कुछ समस्या बताई जा रही थी उनका भी मौके पर निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को चकबंदी अधिकारी अजय कुमार पोरवाल द्वारा निर्देश दिए गए महमदपुर गांव में धारा 9 क (2) के 52 वादों पर सुनवाई हुई जिसमें लोगों की एक दूसरे के द्वारा सहमति अर्जित करते हुए 38 वादों का निस्तारण मौके स्थल पर ही किया गया जिससे कि ग्रामीणों के द्वारा चकबंदी को लेकर किसी तरह की कोई भी परेशानी उत्पन्न ना हो

हालांकि चकबंदी अधिकारी अजय कुमार पोरवाल ने ग्रामीणों को यह भी आश्वासन दिया है कि अगर कोई भी और समस्या किसी व्यक्ति को लगती है तो वह चकबंदी कार्यालय शिकारपुर कैंपस में आकर अपनी समस्या को बता कर निस्तारण करा सकता है जिससे कि उसकी समस्या का सही तरीके से समाधान हो सके चकबंदी के द्वारा गांव में लगाई गई लोक

अदालत में चकबंदी विभाग के अधिकारी जिसमें एसीओ सीमा चौधरी कानून गो लेखपाल सहित अजय कुमार पोरवाल चकबन्दी अधिकारी सदर बुलंदशहर ,सुश्री सविता चौधरी सहायक चकबन्दी अधिकारी शिकारपुर सुधीर कुमार न्यायलय लिपिक नीरज कुमार चकबन्दी कर्ता एवं आशीष कुमार चकबन्दी लेखपाल आदि मौजूद रहे।

व्यक्ति के बैंक खाते से उड़ाए 29 हजार रुपये, शिकायत दर्ज

आज का मुद्दा -बुलंदशहर स्याना कोतवाली क्षेत्र के गांव रमपुरा निवासी एक व्यक्ति के बैंक खाते से शातिरों ने करीब 29 हजार रुपये उड़ा लिए। पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराकर रुपए वापस दिलाने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव रमपुरा निवासी अतुल कुमार ने बताया कि मंगलवार की शाम उसके मोबाइल पर बैंक की तरफ से आए मैसेज में बैंक खाते से 29 हजार रुपए निकलने की सूचना

प्राप्त हुई। पीड़ित ने बुधवार को बैंक पहुंचकर रुपए निकलने की शिकायत शाखा प्रबंधक से की। बैंक ने संबंधित खाते की जांच की तो पता चला कि उसके खाते से 29 हजार रुपए किसी दूसरे बैंक खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए हैं। जबकि अतुल कुमार का कहना है कि उसने कोई लेन देन नही किया है। पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराकर कार्यवाही व रुपए वापस दिलाने की मांग की है।

खुर्जा स्थित आदर्श फूड इण्टरनेशनल के नमकीन निर्माण इकाई पर छापामार कर की कार्यवाही

आज का मुद्दा (आशीष कुमार)
बुलंदशहर। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड II के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा सिटी स्टेशन रोड खुर्जा स्थित आदर्श फूड इण्टरनेशनल के नमकीन निर्माण इकाई पर छापामार कार्यवाही की गयी। यहाँ मौके पर गन्दगी में नमकीन का निर्माण किया जा रहा था। जिस पर तत्काल नमकीन निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया और साफ-सफाई के बाद ही नमकीन बनाने के निर्देश दिये गये है। यहाँ पर नमकीन बनाने में प्रयुक्त सामाग्री की जाँच की गयी तो सोयाबीन रिफाइण्ड तेल के काफी टीन थे, जिन पर अलीगढ़ की मैन्युफैक्चरिंग का पता था। जिस पर मैन्युफैक्चरिंग डेट व एक्सपायरी डेट अंकित नही थी। इनकी टीनों की जाँच की गयी तो डबल स्टीकर का प्रयोग करते हुए पुराने टीनों में रिफाइण्ड तेल भरकर भेजा गया था। जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए जाँच हेतु नमूना संग्रहित किया गया। मौके पर उपलब्ध

56 टीन (प्रत्येक 15 किग्रा०) जिसकी अनुमानित मूल्य लगभग रु 1.50 लाख रुपए को सीज कर दिया गया। साथ ही इसके सम्बन्ध में सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड II जनपद अलीगढ़ को उक्त फर्म की जाँच हेतु दूरभाष पर सूचित कर दिया गया। नमकीन बनाने में प्रयुक्त होने वाले बेसन, नमकीन सेव, अजवाईन, मैदा, मूंगफली दाना, रिफाइण्ड सोयाबीन तेल और तैयार नमकीन का भी नमूना संग्रहित कर जाँच हेतु खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे है। प्रयोगशाला से जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के

उपरांत खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया जायेगा। उक्त फर्म को गन्दगी में कार्य करने के कारण नोटिस जारी किया जा रहा है। होली अभियान के तहत सभी टीमों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर जाँच करने एवं कमियों पाये जाने पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित कर दिया गया है। उक्त कार्यवाही के दौरान टीम मे खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज वर्मा, कमलेश कुमार, सुनील कुमार सिंह, राम मिलन राना मौजूद रहे।

दिल्ली बजट से पहले क्या बोली जनता? दिए ब्ड रेखा गुप्ता को ये सुझाव

(के0जी0 शर्मा) नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि सरकार 24 से 26 मार्च के बीच दिल्ली का बजट पेश करने की योजना बना रही है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि बजट विकसित दिल्ली के विजन को दर्शाएगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों के सुझाव शामिल होंगे। इसी को देखते हुए लोकल 18 की टीम ने ग्राउंड जीरो पर जाकर दिल्ली वालों से पूछा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री को वह व्हाट्सएप के द्वारा दिल्ली के बजट पर क्या सुझाव देना चाहते हैं। दिल्ली के रहने वाले हरिशंकर उपाध्याय का कहना था कि रेखा जी की सरकार को वह सब सुविधा जारी रखनी चाहिए, जो कि केजरीवाल सरकार ने बनाई थी। उनका यह भी कहना था कि इस सरकार ने आने से पहले तो कहा था कि वह सब सुविधाएं जारी भी रखी जाएगी। उनका यह भी कहना था की खासतौर पर स्वास्थ्य पर इस बजट में थोड़ा ज्यादा पैसा खर्च होना चाहिए और उसी के साथ एजुकेशन पर भी।

लखनऊ में डिवाइडर पर सो रहे चार मजदूरों को सूमो ने रौंदा, दो की मौत, ड्राइवर फरार

(के0जी0 शर्मा) लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार देर रात हजरतगंज के नदवा रोड पर तेज रफ़्तार टाटा सूमो ने डिवाइडर पर सो रहे चार मजदूरों को रौंद दिया। इस हादसे में दो की मौत हो गई, जबकि अन्य दो की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद कार चालक गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने टाटा सूमो को कब्जे में लेकर मालिक की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक एक 20 वर्षीय और 40 वर्षीय मजदूर की मौत हुई है। अभी तक दोनों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रौंदने वाले टाटा सूमो न्ड 32 म्म् 4582 के मालिकों की तलाश में जुटी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। जांच में टायर फटने से टाटा सूमो के बेकाबू होने की बात सामने आ रही है।

लखनऊ में डिवाइडर पर सो रहे चार मजदूरों को सूमो ने रौंदा, दो की मौत, ड्राइवर फरार

(के0जी0 शर्मा) लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार देर रात हजरतगंज के नदवा रोड पर तेज रफ़्तार टाटा सूमो ने डिवाइडर पर सो रहे चार मजदूरों को रौंद दिया। इस हादसे में दो की मौत हो गई, जबकि अन्य दो की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद कार चालक गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने टाटा सूमो को कब्जे में लेकर मालिक की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक एक 20 वर्षीय और 40 वर्षीय मजदूर की मौत हुई है। अभी तक दोनों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रौंदने वाले टाटा सूमो न्ड 32 म्म् 4582 के मालिकों की तलाश में जुटी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। जांच में टायर फटने से टाटा सूमो के बेकाबू होने की बात सामने आ रही है।

कॉलेज के विशेष शिविर में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा :योगासन से हुई शुरूआत, स्वच्छता पर पोस्टर बनाए और निकाली जागरूकता रैली

पोषित कुमार(आज का मुद्दा) अनूपशहर: डीपीबीएस महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया। शिविर का दूसरा दिन सामुदायिक भवन मलिन बस्ती नेहरूगंज अनूपशहर में मनाया गया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर जी.के. सिंह के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत योगासन से हुई इसके बाद स्वच्छता विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

किया गया। छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम अधिकारी सोहन आर्य ने स्वच्छता का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ घर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए रैली निकाली गई। इसके बाद छात्रों के बीच विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। स्वयंसेवक अरुण ने स्वच्छता जागरूकता में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में प्रोफेसर सीमांत दुबे, यजवेन्द्र कुमार, डॉ. हरेंद्र कुमार, डॉ. आलोक कुमार तिवारी, हिमांशु कुमार और अनिल कुमार समेत कई प्राध्यापक मौजूद रहे। स्वयंसेवकों में नीतू, कल्पना, प्रीति, कुमकुम, दीपांशी, शिवानी और तैयबा आदि ने भाग लिया।

स्याना में रोड़वेज बस अडडा बनाये जाने को लेकर परिवहन मंत्री से मिले अपना दल एस के जिलाध्यक्ष

बुलन्दशहर (कपिल देव इन्सा) स्याना में रोडवेज बस अडडा बनाए जाने को लेकर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से मिले अपना दल एस बुलन्दशहर के जिला अध्यक्ष राजकुमार भुर्जी अपना दल एस बुलन्दशहर के जिला अध्यक्ष राजकुमार भुर्जी ने लखनऊ विधान सभा में उत्तर प्रदेश सरकार में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से मुलाकात कर मांग पत्र सौंप अवगत कराया कि

स्याना क्षेत्र की जनता वर्षों से रोड़वेज बस अडडा की मांग कर रही है स्याना नगर पौराणिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है भगवान श्री कृष्ण जी ने रूक्मणी जी के साथ स्याना में शयन किया था जिस कारण इस शहर का नाम स्याना पड़ा भाजपा सरकार बनने पर स्याना की जनता में ये विश्वास जागा है कि अब स्याना में रोड़वेज बस अडडे की स्थापना होगी जिला अध्यक्ष ने मंत्री जी से स्याना क्षेत्र की जनता की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए रोड़वेज बस अडडा बनाए जाने का अनुरोध किया है मंत्री जी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है।

महिला सशक्तिकरण में उत्कृष्ट योगदान

आज का मुद्दा (आशीष कुमार) बुलंदशहर : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारत सरकार ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली 25 महिलाओं को राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा है। उत्तर प्रदेश से एकमात्र बुलंदशहर की जिला पंचायत अध्यक्ष अंतुल तेवतिया को यह सम्मान प्राप्त हुआ है। तेवतिया ने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। आजादी के बाद पहली बार उनके प्रयासों से 100 से अधिक गांवों में स्ट्रीट लाइट की सुविधा पहुंची। उन्होंने 72 आंगनबाड़ी केंद्रों को

गोद लेकर महिला और बाल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। गुड गवर्नेंस और महिला कल्याण के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए यह राष्ट्रीय सम्मान दिया गया है। सम्मान मिलने पर समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। तेवतिया की यह उपलब्धि बुलंदशहर जिले के लिए गौरव की बात है।

बादाम का दूध पीने से हो सकते हैं कुछ नुकसान

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है।

आज के समय में लोग दूध में लैक्टोज फ्री ऑप्शन चुनना पसंद करते हैं और ऐसे में वे बादाम के दूध का सेवन करते हैं। यह काफी लाइट होता है और इसका नटी टेस्ट होता है। शायद यही वजह है कि बादाम के दूध को ऐसे ही पीने के साथ-साथ कॉफी व स्मूदी में भी इस्तेमाल करते हैं। चूंकि, इसमें अक्सर रेग्युलर दूध की तुलना में कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन कम करने की जद्दोजहद करने वाले लोगों के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हर किसी के लिए बादाम का दूध पीना उतना सेहतमंद ऑप्शन नहीं है।

जबकि बादाम के दूध के अपने फ़ायदे हैं, इसके कुछ साइड इफ़ेक्ट भी हैं, जिन्हें बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बादाम का दूध पीने से होने वाले कुछ नुकसान के बारे में बता रहे हैं-

थायराइड से जुड़ी समस्याएं

जिन लोगों को थायराइड की शिकायत होती है, उनके लिए बादाम का दूध पीना शायद उतना अच्छा ऑप्शन नहीं है। दरअसल, बादाम में गोइट्रोजन होते हैं, जिन्हें अगर बहुत अधिक मात्रा में लिया जाता है, तो यह थायराइड फ़ंक्शन को बाधित कर सकते हैं। इसलिए, थायराइड से पीड़ित व्यक्ति को हर दिन बादाम का दूध पीने या फिर इसे बहुत अधिक मात्रा में पीने से बचना चाहिए।

किडनी स्टोन का बढ़ सकता है रिस्क

बादाम का दूध किडनी स्टोन की समस्या के रिस्क को भी बढ़ा सकता है। दरअसल, बादाम में ऑक्सालेट होते हैं, जो कुछ लोगों में किडनी स्टोन के गठन में योगदान कर सकते हैं। इसलिए, जिन लोगों को पहले से ही किडनी स्टोन होने का खतरा है, उन्हें बादाम के दूध सहित बादाम से बने बहुत सारे प्रोडक्ट्स का सेवन करने से बचना चाहिए।

पेट से जुड़ी समस्या

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कुछ लोगों को ब्लोटिंग, गैस या पेट में हल्की ऐंठन की शिकायत भी हो सकती है।

चेन्नई पर्यटन स्थल: दक्षिण भारत का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक हब

“ महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ”

चेन्नई, जिसे पहले मद्रास के नाम से जाना जाता था, भारत के तमिलनाडु राज्य की राजधानी है और यह दक्षिण भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। चेन्नई की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थल, सुंदर समुद्र तट, और आधुनिक जीवनशैली इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यह शहर न केवल अपने व्यापारिक महत्त्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां के ऐतिहासिक मंदिरों, संगीत, नृत्य और काव्य कला के लिए भी प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं चेन्नई के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. महाबलीपुरम

महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। विशेष रूप से ‘पंच रथ’ और ‘अरजुन की तपस्या’ जैसे स्थल यहाँ की ऐतिहासिक धरोहर को उजागर करते हैं।

2. कापालेश्वर मंदिर

चेन्नई में स्थित कापालेश्वर मंदिर एक प्रमुख हिंदू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के आसपास का वातावरण भक्तों को शांति और ध्यान की अनुभूति कराता है। यह मंदिर चेन्नई के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

3. सेंट थॉमस चर्च

सेंट थॉमस चर्च, जो चेन्नई के सेंट थॉमस माउंट पर स्थित है, एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह चर्च ईसाई धर्म के एक प्रमुख स्थल के रूप में पहचाना जाता है, क्योंकि कहा जाता है कि यहां सेंट थॉमस की ममी दफनाई गई थी। यहां का शांत वातावरण और ऐतिहासिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

4. विवेकानंद हाउस

विवेकानंद हाउस, जो चेन्नई के समुद्र तट के पास स्थित है, स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान को समर्पित एक संग्रहालय है। यहां आप स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं और उनके कार्यों के बारे में जान सकते हैं। यह स्थान उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय संतों और उनके विचारों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं।

5. अन्ना सलाई

अन्ना सलाई, जिसे मार्सल रोड भी कहा जाता है, चेन्नई का एक प्रमुख वाणिज्यिक क्षेत्र है। यहां पर विभिन्न व्यापारिक केंद्र, शॉपिंग मॉल्स, रेस्टोरेंट्स और कैफे हैं, जो इसे शॉपिंग और खाने-पीने के शौकिनों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। यह क्षेत्र चेन्नई की आधुनिक जीवनशैली को दर्शाता है।

6. ईक्विनॉक्स बीच

चेन्नई के समुद्र तटों में एक प्रमुख नाम ईक्विनॉक्स बीच का है। यह बीच पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है क्योंकि यहाँ पर शांति और सुकून का अनुभव होता है। सुबह और शाम के समय समुद्र के पास घूमना या बैठना एक अद्भुत अनुभव होता है। यहां का वातावरण स्वच्छ और शांतिपूर्ण होता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

7. वेलाचेरी झील

यदि आप प्रकृति से जुड़ना चाहते हैं, तो वेलाचेरी झील एक बेहतरीन स्थल है। यह एक शांत और सुंदर झील है, जहाँ आप पैदल चलने, बोटिंग करने या सिर्फ दृश्य का आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। यह स्थल शहर के शोर-शराबे से दूर आराम और सुकून का अनुभव प्रदान करता है।

8. मरीना बीच

मरीना बीच, चेन्नई का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है और यह भारत का दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट है। यहां पर घूमने का अनुभव बहुत ही अद्भुत होता है। खासकर सुबह और शाम के समय यहाँ की हवा और समुद्र का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है। यहाँ के किनारे पर चलना, सूर्योदय और सूर्यास्त का नज़ारा देखना एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

9. चित्तारन मंदिर

चित्तारन मंदिर चेन्नई के पास स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। यह मंदिर अपनी अद्वितीय वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां भगवान शिव के नटराज रूप की पूजा की जाती है और यह स्थान भारतीय हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्रों में से एक है।

10. कांची काचीयमंगलम

कांची काचीयमंगलम, जो चेन्नई से लगभग 70 किलोमीटर दूर है, तमिलनाडु का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहाँ के प्राचीन मंदिर और हस्तशिल्प उत्पादों के लिए कांची काचीयमंगलम प्रसिद्ध है। यह स्थल इतिहास और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श है।

चेन्नई एक विविधताओं से भरा हुआ शहर है, जहां पर सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों का एक बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। यहां का प्रत्येक स्थल अपनी अलग पहचान और आकर्षण से भरपूर है। चाहे आप धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए जाएं या समुद्र के किनारे शांति का अनुभव करना चाहें, चेन्नई हर प्रकार के पर्यटकों के लिए आदर्श गंतव्य है।

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन का लेवल कितना होना चाहिए?

2-5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

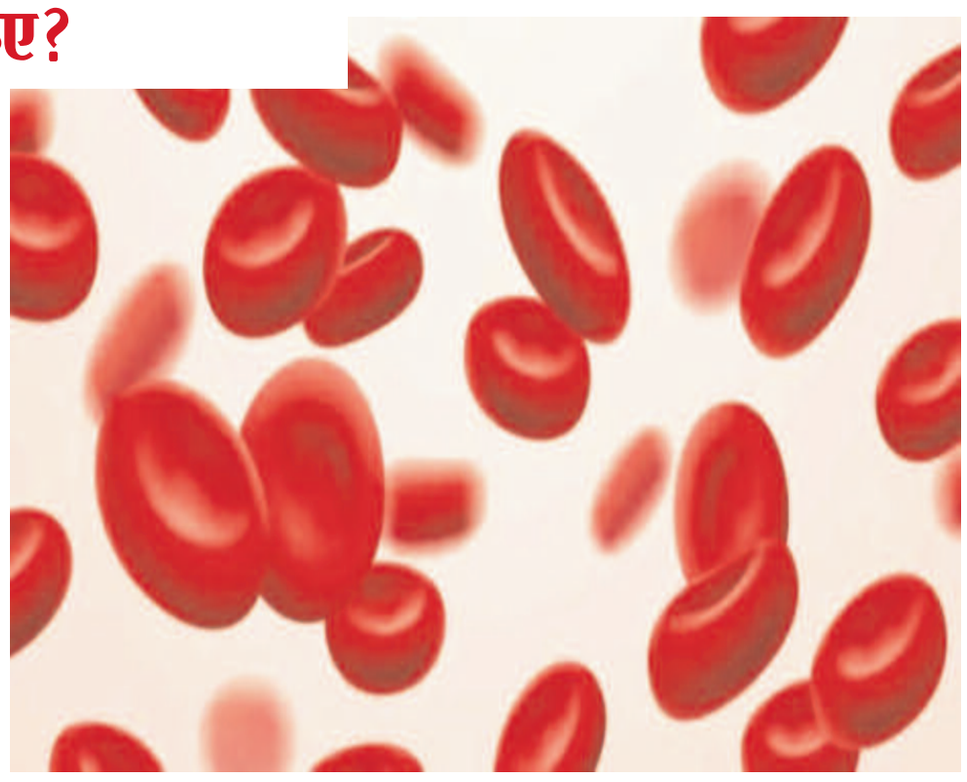

डॉक्टर और विशेषज्ञ हमेशा जरूरी मात्रा में स्वस्थ और पौष्टिक भोजन खाने की सलाह देते हैं. दरअसल, आहार से प्राप्त पोषण इम्यून सिस्टम और हमारे शरीर की सभी प्रणालियों के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. आहार से मिलने वाले न्यूट्रिएंट्स और मिनरल्स जैसे कि आयरन, प्रोटीन, विटामिन और कैल्शियम आदि शरीर की सभी इंटरनल सिस्टम को सही और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. साथ ही, इन न्यूट्रिएंट्स और कई आंतरिक शारीरिक गतिविधियों के कारण हमारे शरीर में कुछ खास तरह के तत्व और तरल पदार्थ भी बनते हैं, जो शरीर को अलग-अलग तरह से पूरी तरह स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाते हैं.

हीमोग्लोबिन भी एक तरह का प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है. खून में हीमोग्लोबिन की कमी एनीमिया यानी खून की कमी का संकेत माना जाता है. वहीं, अगर खून में हीमोग्लोबिन जरूरत से ज्यादा कम होने लगे तो इससे न सिर्फ हमारी शारीरिक और मानसिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं बल्कि कई बार कम या ज्यादा गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं.

खून में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर होना महत्वपूर्ण है

दिल्ली की पोषण विशेषज्ञ डॉ दिव्या शर्मा बताती हैं कि हीमोग्लोबिन हमारी रेड ब्लड सेल्स यानी (आरबीसी) में पाया जाने वाला महत्वपूर्ण प्रोटीन है, जो खून के माध्यम से हमारे पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्य करता है. शरीर में जब हीमोग्लोबिन की मात्रा ज्यादा कम हो जाती है, तो शरीर के सभी अंगों, उत्तकों और कोशिकाओं में आवश्यक ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने लगती हैं. यह स्थिति कई रोगों तथा समस्याओं का कारण बन सकती हैं.

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन कितना होना चाहिए

डॉ. दिव्या बताती हैं कि पुरुष, महिला और बच्चों में इसकी आदर्श मात्रा अलग-अलग होती है, उदाहरण के लिए सामान्य स्थिति में नवजात शिशु में हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर 17.22 ग्राम/डीएल माना जाता है, जबकि बच्चों में यह 11.13 ग्राम/डीएल होता है. वहीं, एक वयस्क पुरुष के रक्त में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर 14 से 18 ग्राम/डीएल और एक वयस्क महिला में 12 से 16 ग्राम/डीएल माना जाता है. वयस्कों में इस संख्या में एक या दो अंकों की कमी आमतौर पर बहुत गंभीर नहीं मानी जाती है, लेकिन अगर रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 8 ग्राम या उससे नीचे चला जाए तो इसे चिंताजनक स्थिति माना जाता है. इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना बहुत जरूरी हो जाता है.

2 से 5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

2 से 5 साल की उम्र के बच्चे में हीमोग्लोबिन का स्तर 11.5 से 13.5 ग्राम प्रति डेसीलिटर होना चाहिए. यह स्तर बच्चे के विकास और अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है.

शरीर में एनीमिया के लक्षण

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी या एनीमिया की समस्या होने पर पीड़ित लोगों में कई बार कम या ज्यादा तीव्रता में कुछ शारीरिक व मानसिक समस्याएं नजर आने लगती हैं. जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं.

लगातार या जल्दी जल्दी सिर दर्द होना

सांस फूलना तथा चक्कर आना

थकान और कमजोरी

शरीर में अकड़न महसूस होना

लो ब्लड प्रेशर या लो बीपी

शरीर में एनर्जी में कमी

चिड़चिड़ापन तथा घबराहट होना

सीने में दर्द

तेज या अनियमित दिल की धड़कन

खून की कमी

ज्यादा ठंड लगना और हाथ और पैर ठंडे होना

एकाग्रता में कमी

हड्डियों में कमजोरी

कमजोर इम्यूनिटी या इम्यूनिटी से संबंधित रोग

महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान ज्यादा दर्द होना , आदि.

ये हैं खून की कमी के कारण

डॉ. दिव्या बताती हैं कि हमेशा शरीर में पोषण की कमी ही ब्लड में हीमोग्लोबिन कम होने का कारण नहीं होती. कई बार आनुवंशिक कारणों, सिकल सेल एनीमिया जैसी आनुवंशिक समस्याओं, कैंसर, थैलेसीमिया, किडनी की समस्याओं, लिवर की बीमारी जैसी कुछ बीमारियों या शारीरिक समस्याओं, ऑटोइम्यून बीमारी, बोन मैरो डिसऑर्डर और थायरॉयड रोग जैसी कुछ पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों के कारण भी हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो सकता है. इसके अलावा, जिन लोगों के ब्लड में हीमोग्लोबिन की मात्रा अपेक्षित संख्या से कम होती है, उन्हें कभी-कभी अवसाद, उदासीनता, उनींदापन और चिड़चिड़ापन और संज्ञानात्मक और तार्किक क्षमता में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है.

ए0 एन0 एम0 स्टाफ को क्षय रोग के विषय में पढ़ाया पाठ

आज का मुद्दा-हापुड़। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी के कुशल निर्देशन में एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह के नेतृत्व में पी0 पी0 सी0 कोठी गेट अस्पताल के सभागार में ए0 एन0 एम0 स्टाफ को क्षय रोग के लक्षण उपचार व निदान के विषय में पढ़ाया गया अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ राकेश कुमार यादव ने सभी ए0 एन0 एम0 बहनों से जनपद में चल रहे सो दिवसीय सघन टीवी खोजी अभियान में अपनी सहभागिता बढ़ाने का निर्देश दिया साथ ही जिला पी0 पी0 एम0 समन्वयक सुशील चौधरी द्वारा बताया गया की आपके कार्य क्षेत्र में जितने भी उच्च जोखिम वाले व्यक्ति जैसे 60 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्ति अथवा कैंसर पीड़ित किडनी रोग से पीड़ित मधुमेह से पीड़ित या अन्य किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को आपको स्क्रीन करना है यदि उसे व्यक्ति में क्षय रोग के लक्षण जैसे की दो सप्ताह से अधिक की खासी खांसी में बलगम आना बलगम में खून का आना छाती में दर्द रहना हल्का बुखार रहना भूख कम लगना वजन का घटना या शरीर के किसी अंग में गांठ का हो जाना आदि लक्षण पाए जाते हैं तो उसे व्यक्ति की बलगम जांच नाट मशीन द्वारा कराई जानी है और यदि व्यक्ति

में इस प्रकार के लक्षण नहीं पाए जाते हैं तो उसे व्यक्ति का एक्स-रे जांच करना आवश्यक है जनपद की जनपद की कुल आबादी का 20% उच्च जोखिम वाली जनसंख्या में चयनित किया गया है यह सभी कार्य आने वाली 24 मार्च से पहले पूर्ण करा कर रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी जाएगी एवं 24 मार्च 2025 को विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का समापन होगा इस अवसर पर वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक दीपक कुमार एवं टी0 वी0 एच0 वी नासिर अली स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सत्य प्रकाश व सहायक शोध अधिकारी ज्योति चौधरी आदि उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण कृपा धाम में ठाकुर कृपा बिहारी महाराज का द्विदिवसीय वार्षिक पाटोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी) वृन्दावन।परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीकृष्ण कृपा धाम में ठाकुर कृपा बिहारी महाराज का द्विदिवसीय वार्षिक पाटोत्सव महामंडलेश्वर, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के पावन सानिध्य में अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। सर्वप्रथम संतों व भक्तों के द्वारा ठाकुर कृपा बिहारी सरकार का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पंचामृत से अभिषेक कर उनका अत्यंत नयनाभिराम व चित्ताकर्षक श्रृंगार किया गया।साथ ही उन्हें नवीन पोशाक धारण कराई गई। तत्पश्चात गीता पाठ और सत्संग आदि के कार्यक्रम भी संपन्न हुए। महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को अपने आशीर्वचन

देते हुए कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता ग्रंथ का जन्म भगवान श्रीकृष्ण के मुख से हुआ है।इसमें जीवन की प्रत्येक समस्या का उचित समाधान है।आज के भौतिक व यात्रिक युग में यदि हम लोग इस ग्रंथ को अपने जीवन में धारण कर लें तो हमारे देश व समाज की अनेक बुराइयों की समाप्ति हो सकती है।

हमारी भारत सरकार से यह मांग है कि श्रीमद्भगवद्गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करे।साथ ही इस ग्रंथ को समूचे देश के विभिन्न विद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।जिससे नई पीढ़ी संस्कारवान बन सके।

इससे पूर्व समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं के द्वारा भजन-संकीर्तन के मध्य श्रीगिरिराज गोवर्धन की सप्त कोसी परिक्रमा की गई। इस अवसर पर पूर्व गृह सचिव उत्तर प्रदेश शासन एम.पी. मिश्रा, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, संत शक्ति स्वरूप ब्रह्मचारी, वासुदेव शरण महाराज, आचार्य नेत्रपाल शास्त्री, प्रख्यात भजन गायक चन्दन महाराज, डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।महोत्सव का समापन संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।

सरकारी अस्पताल जाने वाले मार्ग की दुर्दशा जिम्मेदार बेखबर

आज का मुद्दा-बुलंदशहर डिबाई में तहसील के पीछे बने 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय डिबाई की जर्जर रास्ते से मरीज बेहद परेशान हैं। मरीज को दिखाने आने वाली टिरी आए दिन पलट जाती हैं क्षेत्र के ग्राम प्रधान सहित जनप्रतिनिधि बेखबर हैं। आपको बता दे उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लाखों रुपए की कीमत से बीमार लोगों के इलाज की सुविधाओं के लिए बनाए गए 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय बनाया गया था इस चिकित्सालय को जाने के लिए तहसील के समीप अलीगढ़ अनूपशहर मार्ग से एक रास्ता जा रहा है। कुछ रास्ता तो पक्का बना हुआ है लेकिन करीब एक किलोमीटर अस्पताल जाने के लिए रास्ता कच्चा बना हुआ है जिस रास्ते पर बरसात के समय तो बुरा हाल रहता है इस रास्ते में जगह-जगह गड्ढे पड़ गए हैं जब गंभीर मरीजों को यहां भर्ती करने या इलाज कराने के लिए टिरी में बिठाकर लाया जाता है तो टिरी पलट जाती हैं जो लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं इस रास्ते पर क्षेत्र के ग्राम प्रधान जनप्रतिनिधियों का कोई ध्यान नहीं है अगर यह रास्ता पक्का नहीं कराया गया तो कभी बड़ा हादसा हो सकता है। यही नहीं अस्पताल के गेट के सामने गंदगी पड़ी हुई है यह गंदगी स्वच्छता को पलीता लगा रही है इस गंदगी से अस्पताल के प्रभारी भी बेखबर है।

हापुड़ में अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, 11 शातिर चोर गिरफ्तार

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना सिम्भावली पुलिस ने ग्राम बक्सर स्थित कृषि फार्म हाउस में हुई चोरी के मामले में 11 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 हजार रुपये नकद, एक एसी और एक इन्वर्टर बरामद किया है। इसके अलावा पशुपति फैब्रिक्स लिमिटेड कोसीकलां, मथुरा से चोरी किया गया सामान भी बरामद हुआ है। इसमें 20 सिलाई मशीन, 2 इंटरलॉक मशीन, 26 धागा लपेटने के रोलर और 12 लोहे की पेंचदार रॉड शामिल हैं। चोरी में इस्तेमाल की गई बुलेरो पिकअप और आई-10 कार भी जब्त की गई है। एएसपी विनीत भटनागर के अनुसार, ये शातिर चोर बंद फैक्टरी और फार्म हाउस की रेकी करते थे। मौका मिलते ही चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पकड़े गए आरोपियों में से धर्मेंद्र और अनीश के खिलाफ गाजियाबाद में छिनैती और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों में तालिब, धर्मेंद्र, अनीश, फकरुद्दीन, शोएब, शादाब, राशिद, अब्दुल खालिद, नोमान, अशरफ और रोशन शामिल हैं। ये आरोपी मेरठ, बुलंदशहर, गाजियाबाद, हापुड़ और बिहार के रहने वाले हैं। पुलिस अन्य आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

घर से लाखों रुपए के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए चोर

नोएडा। परिवार के साथ नैनीताल घूमने गए परिवार को महंगा पड़ गया। घर का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने घर में रखे हुए लाखों रुपए कीमत के जेवरात और नगदी आदि चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर सूरजपुर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सूरजपुर के प्रभारी विनोद कुमार चाहर ने बताया कि प्रभाकर मिश्रा ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह डेल्टा-1 सेक्टर के एफ-ब्लॉक में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार 1 मार्च को वह अपने परिवार सहित नैनीताल घूमने गए थे। 3 मार्च को जब वह वापस आए तो उन्होंने देखा कि उनके कमरे की आलमारी का ताला टूटा हुआ है। उसमें रखा हुआ सामान भी बिखरा हुआ है। आलमारी में रखे हुए लाखों रुपए कीमत के गहने, नकदी आदि अज्ञात बदमाशों ने चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।बीटा दो कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एनआरआई सिटी सोसायटी में रहने वाले अजय कुमार के घर से चोरों ने नकदी, आभूषण व कई अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बुलंदशहर में दिमागी रूप से कमजोर व्यक्ति पर हमला

आज का मुद्दा -बुलंदशहर : कोतवाली स्याना क्षेत्र में एक दिमागी रूप से कमजोर व्यक्ति पर तीन लोगों ने हमला कर दिया। घटना 4 मार्च 2025 को शाम 5 बजे की है। पीड़ित तेजवीर कोलू से काम करके घर लौट रहा था।ग्राम चिंगरावटी के रहने वाले ऋषिपाल (शेर सिंह का पुत्र), प्रवीन और धीरज (दोनों रिछपाल सिंह के पुत्र) ने बिना किसी कारण तेजवीर की पिटाई कर दी। जब तेजवीर के भाई देवदत्त अपने पुत्रों और भतीजे के साथ आरोपियों की डेयरी पर पूछताछ करने गए, तो आरोपियों ने उन पर भी लाठी-डंडों और हथियारों से हमला कर दिया। हमले में देवदत्त, प्रदीप कुमार, तरुण कुमार, नीरज कुमार और पप्पू को गंभीर चोटें आईं। सभी घायलों का थाना स्याना में मेडिकल परीक्षण कराया गया है। आरोपियों ने भागते समय पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।पीड़ित देवदत्त ने थाना स्याना में शिकायत दर्ज कराई है। देवदत्त ने बताया कि उनके भाई तेजवीर की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और आरोपियों ने बिना किसी कारण उस पर हमला किया।

होली खेलने के लिए प्राकृतिक रंगों का करें अधिक से अधिक प्रयोग

आज का मुद्दा-हापुड़। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा होली पर प्राकृतिक तरीकों से हर्बल गुलाल बनाए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्वयं सहायता समूह की दीदियों को इसके लिए बधाई दी है तथा उनसे हर्बल गुलाल भी क्रय किए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि यह गुलाल पूर्णतः ऑर्गेनिक व बिना केमिकल से बनाए गए हैं जो की हस्त निर्मित भी है। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिए की स्वयं सहायता समूह की दीदीयों द्वारा बनाए गए प्राकृतिक गुलाल रंग को विक्रय करने हेतु जनपद की समस्त तहसीलों एवं ब्लॉक स्तर पर स्टॉल लगवाना सुनिश्चित करें जिससे स्वयं सहायता समूह की दीदीयों को आर्थिक लाभ प्राप्त हो सके एवं शासन की मंशा अनुरूप होली के पर्व को प्राकृतिक रंगों से मनाया जा सके।

हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम में 60 निपुण बच्चो को स्कूली बैग किये वितरित

आज का मुद्दा-हापुड। हापुड़ हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम के तहत शिक्षा विभाग ने निपुण 60 बच्चों को स्कूल बैग देकर उन्हें सम्मानित कर प्री पीरियड के तहत पढ़ाई करने के लिए मोटिवेशन किया। हापुड़ ब्लॉक के कम्पोजिट स्कूल गोयना में हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम के तहत जागरूक करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के पद से बोलते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय योगेश गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से छोटे बच्चों को पढ़ाई के लिए तैयार करना बहुत ही अच्छा कार्य है इसको हम लोगों को सच्ची लगन और कड़ी मेहनत के साथ करना चाहिये इसके साथ ही बच्चों को अनुशासन भी सिखाना जरूरी है। खंड शिक्षा अधिकारी हापुड़ रचना सिंह ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर करीब 60 निपुण बच्चों को शिक्षा विभाग द्वारा हमारा आंगन, हमारे बच्चे कार्यक्रम के तहत निपुण बच्चों को स्कूल बैग तथा स्टेशनरी वितरित की गई है। वहीं उन्होंने बताया है कि प्राथमिक विद्यालयों में आँगनवाड़ी कार्यरत है, जिसके चलते उन सभी में आंगनवाड़ी केंद्र बनाया गया है। जिस माध्यम से प्री प्राइमरी पीरियड के अंतर्गत छोटे बच्चों को आंगनवाड़ी द्वारा ए बी सी डी, वन टू थ्री सिखाया जाता है जिसके माध्यम से बच्चों को मोटिवेशन किया जाता है, ताकि बच्चा पढ़ाई करने के लिए शुरूआत में आसानी से कर सकता है। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन भावना शर्मा एवं डॉ रेनू देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर एसआरजी भारत शर्मा, जिला समन्वयक प्रशिक्षण मोहम्मद नाजिम, ए आर पी कुशवीर सिंह, एआरपी ललित कुमार, सविता सहारान, इंदु शर्मा, रश्मि शर्मा, प्रियंका गुप्ता, मोहम्मद रिजवान, मेघा वर्मा, रीना रानी निराला, शशि सिंह सहित अन्य अध्यापक अध्यापिकाएं एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित थीं।

कंटेनर चालक ने बाइक में मारी टक्कर ,युवक की चली गई जान

नोएडा। बाइक पर सवार होकर एक कंपनी में काम करने जा रहे युवक को एक अज्ञात कंटेनर चालक ने विपरीत दिशा से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। घटना में उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना दादरी के प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि मुनेंद्र पुत्र प्रीतम सिंह ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह जनपद बुलंदशहर के रहने वाले। उनके अनुसार उनका भाई देवेंद्र कुमार 4 मार्च को 5 बजे के करीब अनमोल इंडस्ट्री लिमिटेड उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा में काम करने के लिए मोटरसाइकिल पर सवार होकर निकला था। पीड़ित के अनुसार ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के पास एक अज्ञात कंटेनर चालक ने विपरीत दिशा से वाहन चलाते हुए उसके भाई को टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस द्वारा उसे दादरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया ,वहां पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।बाइक पर सवार होकर एक कंपनी में काम करने जा रहे युवक को एक अज्ञात कंटेनर चालक ने विपरीत दिशा से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। घटना में उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर से लाखों रुपए के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए चोर

नोएडा। परिवार के साथ नैनीताल घूमने गए परिवार को महंगा पड़ गया। घर का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने घर में रखे हुए लाखों रुपए कीमत के जेवरात और नगदी आदि चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर सूरजपुर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सूरजपुर के प्रभारी विनोद कुमार चाहर ने बताया कि प्रभाकर मिश्रा ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह डेल्टा-1 सेक्टर के एफ-ब्लॉक में रहते हैं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान रेलवे द्वारा पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

02525/02526 कामाख्या – आनन्द विहार टर्मिनल – कामाख्या होली स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 02525		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 02526	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	22:45	कामाख्या	03:40	----
08:50	----	आनन्द विहार टर्मिनल	----	17:20

चलने के दिन : 02525 कामाख्या से दिनांक 07.03.2025 से 28.03.2025 तक (प्रत्येक शुक्रवार को) एवं **02526 आनन्द विहार टर्मिनल** से दिनांक 09.03.2025 से 30.03.2025 तक (प्रत्येक रविवार को)।

ठहराव: गोवालपाड़ा टाउन, अभयपुर असम, बिलासीपारा, गौरीपुर, गोलकगंज, तूफानगंज, न्यू कूचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, बारसोई, कटिहार, नौगछिया, खगड़िया, बेगुसराय, बरौनी (शाहपुर पटोरी के माध्यम से), हाजीपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, प्रयागराज, गोविंदपुरी, इटावा जंक्शन एवं टूंडला जंक्शन स्टेशन।

स्थान: प्रथम वाता., 3 टियर वाता. (इकोनॉमी), शयनयान एवं सामान्य।

04010/04009 आनन्द विहार टर्मिनल – जोगबनी – आनन्द विहार टर्मिनल होली स्पेशल रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04010		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 04009	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:55	आनन्द विहार टर्मिनल	12:25	----
03:00	----	जोगबनी	----	09:45

चलने के दिन : 04010 आनन्द विहार टर्मिनल से दिनांक 10.03.2025 एवं 17.03.2025 को एवं **04009 जोगबनी** से दिनांक 12.03.2025 एवं 19.03.2025 को।

ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय, खगड़िया जं., नौगछिया, कटिहार जं., पूर्णिया, अररिया एवं फोर्बसगंज स्टेशन।

स्थान: शयनयान एवं सामान्य।

03009/03010 & 03011/03012 हावड़ा- आनन्द विहार टर्मिनल - हावड़ा होली स्पेशल रेलगाड़ी — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 03009 / 03011		STATIONS	रेलगाड़ी सं.: 03010 / 03012	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	17:40	हावड़ा	03:00	----
22:30	----	आनन्द विहार टर्मिनल	----	00:30

चलने के दिन : 03009 हावड़ा से दिनांक 06.03.2025, 16.03.2025, 20.03.2025 एवं 24.03.2025 को एवं **03010 आनन्द विहार टर्मिनल** से दिनांक 08.03.2025, 18.03.2025, 22.03.2025 एवं 26.03.2025 को एवं **03011 हावड़ा** से दिनांक 07.03.2025, 11.03.2025, 15.03.2025, 19.03.2025 एवं 23.03.2025 को एवं **03012 आनन्द विहार टर्मिनल** से 09.03.2025, 13.03.2025, 17.03.2025, 21.03.2025 एवं 25.03.2025 को।

ठहराव: बैण्डेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, धनबाद, कोडरमा, गया, अनुग्रह एन रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, मिर्जापुर, प्रयागराज जंक्शन, फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जंक्शन एवं टूंडला जंक्शन स्टेशन।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

09003/09004 मुंबई सेन्ट्रल – दिल्ली जं – मुंबई सेन्ट्रल होली स्पेशल रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 09003		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 09004	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	10:30	मुंबई सेन्ट्रल	13:30	----
10:00	----	दिल्ली जं	----	13:05

चलने के दिन : 09003 मुंबई सेन्ट्रल से दिनांक 07.03.2025 से 28.03.2025 तक (प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को) एवं **09004 दिल्ली जं** से दिनांक 08.03.2025 से 29.03.2025 तक (प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को)।

ठहराव: बोरीवली, वापी, वलसाड, उधना जंक्शन, सूरत, वडोदरा जंक्शन, गेरातपुर, साबरमती बीजी, महेसाना जंक्शन, पालनपुर जंक्शन, आबू रोड, पिंडवाड़ा, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर जंक्शन, मदार जंक्शन, किशनगढ़, जयपुर जंक्शन, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई जंक्शन, अलवर, रेवाड़ी जंक्शन, गुड़गांव एवं दिल्ली कैंट स्टेशन।

स्थान: 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.।

04412 हज़रत निजामुद्दीन – इंदौर जंक्शन होली स्पेशल ट्रेन — 01 फेरे

स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 04412	
	आगमन	प्रस्थान
हज़रत निजामुद्दीन	----	23:45
इंदौर जंक्शन	14:00	----

चलने के दिन : 04412 हज़रत निजामुद्दीन से 07.03.2025 को।

ठहराव: पलवल, मथुरा, कोटा, नागदा एवं रतलाम स्टेशन।

स्थान: शयनयान एवं सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

04016/04015 आनन्द विहार टर्मिनल – सीतामढ़ी – आनन्द विहार टर्मिनल होली स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04016		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 04015	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	00:30	आनन्द विहार टर्मिनल	06:00	----
02:00	----	सीतामढ़ी	----	05:00

चलने के दिन : 04016 आनन्द विहार टर्मिनल से दिनांक 07.03.2025, 11.03.2025, 14.03.2025 एवं 18.03.2025 को एवं **04015 सीतामढ़ी** से दिनांक 08.03.2025, 12.03.2025, 15.03.2025 एवं 19.03.2025 को।

ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, रायबरेली, माँ बेल्हा देवी धाम, वाराणसी जंक्शन, औंरिहार, गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं. और मुजफ्फरपुर जं. (रिवर्सल) स्टेशन।

स्थान: शयनयान एवं सामान्य।

04068/04067 नई दिल्ली – भागलपुर – नई दिल्ली होली स्पेशल रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04068		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 04067	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	14:00	नई दिल्ली	14:30	----
13:30	----	भागलपुर	----	14:30

चलने के दिन : 04068 नई दिल्ली से दिनांक 09.03.2025, 12.03.2025, 16.03.2025 एवं 19.03.2025 को एवं **04067 भागलपुर** से दिनांक 10.03.2025, 13.03.2025, 17.03.2025 एवं 20.03.2025 को।

ठहराव: गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जंक्शन, बख्तियारपुर जंक्शन, मोकामा, हाथीदा जंक्शन, लक्खीसराय जंक्शन, किउल जंक्शन, अभयपुर, जमालपुर जंक्शन एवं सुल्तानगंज स्टेशन।

स्थान: शयनयान।

02436/02435 नई दिल्ली – पटना जं – नई दिल्ली होली स्पेशल वंदे भारत रेलगाड़ी — 22 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 02436		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 02435	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	08:30	नई दिल्ली	20:10	----
22:30	----	पटना जं	----	05:30

चलने के दिन : 02436 नई दिल्ली से दिनांक 08.03.2025 से 20.03.2025 तक (सप्ताह में छः दिन सोमवार को छोड़कर) एवं **02435 पटना जं** से दिनांक 09.03.2025 से 21.03.2025 तक (सप्ताह में छः दिन मंगलवार को छोड़कर)।

ठहराव: गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, वाराणसी, गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा जंक्शन एवं पाटलिपुत्र जंक्शन स्टेशन।

स्थान: 2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

03435/03436 मालदा टाउन – आनन्द विहार टर्मिनल – मालदा टाउन होली स्पेशल रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 03435		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 03436	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	09:30	मालदा टाउन	23:30	----
13:30	----	आनन्द विहार टर्मिनल	----	15:45

चलने के दिन : 03435 मालदा टाउन से दिनांक 17.03.2025 (सोमवार) को एवं **03436 आनन्द विहार टर्मिनल** से दिनांक 18.03.2025 (मंगलवार) को।

ठहराव: न्यू फरक्का, बड़हरवा जंक्शन, साहिबगंज जंक्शन, पीरपैंती, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जंक्शन, अभयपुर, किऊल जंक्शन, मोकामा, बख्तियारपुर, पटना जंक्शन, आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज एवं गोविंदपुरी स्टेशन।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

03413/03414 मालदा टाउन – दिल्ली जं – मालदा टाउन होली स्पेशल रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 03413		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 03414	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	07:00	मालदा टाउन	17:30	----
10:35	----	दिल्ली जं	----	13:35

चलने के दिन : 03413 मालदा टाउन से दिनांक 15.03.2025 एवं 18.03.2025 को **03414 दिल्ली जं** से दिनांक 16.03.2025 एवं 19.03.2025 को।

ठहराव: न्यू फरक्का, बड़हरवा जंक्शन, साहिबगंज जंक्शन, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, बरियारपुर, जमालपुर जंक्शन, धरहरा, अभयपुर, कजरा, किउल जंक्शन, लक्खीसराय जंक्शन, बरहिया, हाथीदा जंक्शन, मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, खुसरोपुर, फतुहा, पटना साहेब, पटना जंक्शन, आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज एवं कानपुर सेंट्रल स्टेशन।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

04416 दिल्ली सराय रोहिल्ला – साबरमती होली स्पेशल ट्रेन — 01 फेरे

स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 04416	
	आगमन	प्रस्थान
दिल्ली सराय रोहिल्ला	----	08:10
साबरमती	23:20	----

चलने के दिन : 04416 दिल्ली सराय रोहिल्ला से 07.03.2025 को।

ठहराव: रेवाडी, अलवर, जयपुर, अजमेर, आबू रोड और पालनपुर स्टेशन।

स्थान: शयनयान एवं सामान्य।

पर हमें फॉलो करें | उत्तर रेलवे — हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई–प्रणाली के अर्न्तगत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	14250835 A	रेफ्रिजरेंट आर-407सी, सुटेबल फॉर आरएमपीयू	13264 किलो ग्राम	27.03.25
2	09242569	टॉप हाउसिंग फॉर सीसीपीयू एस बी पैड	2173 नग	02.04.25
3	77259018 RGC	10125 एमएम ओ/आर (कर्वड) फैन शेप्ड स्विच	177 सेट	21.04.25
4	77259021 RGC	6400 एसएमओ/आर (कर्वड) फैन शेप्ड स्विचेस	101 सेट	24.04.25

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। 714/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

होली से पहले बिहार में 12 अवैध देशी शराब की भट्ठियों को खत्म किया

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद होली पर अवैध शराब कारोबारियों की सक्रियता को देखकर पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोन नदी के तटीय क्षेत्र में छापेमारी कर करीब 12 अवैध देशी शराब की भट्ठियों को खत्म किया है। इस कार्रवाई में शराब बनाने के सभी उपकरणों को जब्त कर आग के हवाले कर दिया। साथ ही अर्ध निर्मित शराब को भी नष्ट किया गया। पुलिस की सूचना मिलते ही शराब माफिया सोन नदी के रास्ते फरार हो गए। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि सोन नदी के इलाके में अवैध रूप से देशी शराब की भट्ठियां चल रही हैं। इस पर थाना प्रभारी ने तीन टीमें गठित कर छापेमारी की थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को कई शराब भट्ठियां चलते हुए मिलीं। इधर, पूरे मामले पर पुलिस अधिकारी ने बताया कि होली को लेकर अवैध शराब के खिलाफ अभियान चल रहा है। सोन नदी के किनारे पुलिस काफी कम पहुंच पाती है। इसकारण शराब माफिया अपना साम्राज्य कायम किए हुए थे। लेकिन, पुलिस लगातार अवैध देशी शराब के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। करीब हजारों लीटर अंग्रेजी शराब को नष्ट किया गया है। कई शराब के भट्ठियों को ध्वस्त किया गया है।

राहुल गांधी के मामले में कोर्ट में दाखिल हुआ वकालतनामा

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर वाद के मामले में उनके वकील प्रियांशु अग्रवाल और यासीर अब्बासी बुधवार को बरेली पहुंचे। लखनऊ से आए वकीलों ने कोर्ट में वकालतनामा दाखिल किया। राहुल गांधी का आधार कार्ड भी जमा किया गया है। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए के विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकीलों ने जवाब देने के लिए पांच सप्ताह का समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने दो अप्रैल की तारीख दी है। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया गया था। हिंदूवादी संगठनों की ओर से इसका तीखा विरोध हुआ था। इसी मामले में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से जून 2024 में निजी कोर्ट में अर्जी दी गई थी, जिसमें राहुल गांधी के बयान से भावनाएं आहत होने का आरोप लगाकर मुकदमा कायम करने की अपील की गई थी। उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के संबंध में पंकज पाठक ने रिवीजन याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसकी निगरानी स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए में चल रही है। मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कई समन जारी हो चुके हैं। विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि समन पर राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए। पिछली तारीख पर उनके वकील द्वारा यह दलील दी गई कि राहुल गांधी के खिलाफ जो समन भेजे गए हैं, वो तामील हो गए हैं। डाक से स्पीड पोस्ट की ट्रैकिंग रिपोर्ट दाखिल की गई थी। जिसके बाद बुधवार को राहुल गांधी के वकीलों ने वकालतनामा दाखिल किया है।

बिहार, बंगाल और उत्तर प्रदेश की 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण में पुलिस के साथ एक एनजीओ ने विभिन्न जगहों पर ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया गया है। सभी लड़कियां बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं, जिन्हें एलबम में काम करने के नाम पर लाया गया था। इन लड़कियों को आर्केस्ट्रा में डांस कराया जाता था। मामले में एनजीओ ने संचालकों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आवेदन दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रेस्क्यू की गई लड़कियों को सोशल मीडिया पर रील बनाने के दौरान एलबम में काम कराने के बहाने पटना बुलाया गया। फिर एक दो एलबम में डांसर के रूप में काम करवाया गया। फिर आर्केस्ट्रा में पैसे का लालच देकर डांस कराया जाने लगा। ये सभी गरीब परिवार से हैं। मजबूरी में इन्हें आर्केस्ट्रा में काम करना पड़ रहा था। एनजीओ संचालक ने बताया कि जिले के तीन थाना क्षेत्र से 14 लड़कियों को रेस्क्यू किया है, इसमें अधिकतर लड़कियां उत्तर प्रदेश और बंगाल की रहने वाली हैं। यहां काम कर रहीं नाबालिग लड़कियों के बारे में सूचना मिली थी।

मिजोरम में बीयर बिक्री की इजाजत दे सकती है सरकार

आईजोल (एजेंसी)। मिजोरम राज्य में फल और चावल से बनी शराब और बीयर की बिक्री की अनुमति दी जा सकती है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। वहीं, सीएम ने साफ कहा कि मौजूदा शराबबंदी कानून को हटाने के बारे में वह नहीं सोच रहे हैं। मिजोरम की जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सरकार बुधवार को शराब और बीयर पर संशोधन बिल लाने जा रही है। विभागीय मंत्री लालनगिहलोवा हमार उस बिल पेश करेंगे, जिसमें राज्य के भीतर उत्पादन होने वाले चावल और फल से बनी शराब और बीयर की बिक्री, वितरण और निर्माण की अनुमति देने का प्रस्ताव है। यह केवल लाइसेंस धारकों के लिए होगा। साथ ही यह बिल राज्य में पारंपरिक मिजो शराब की बिक्री की भी इजाजत देगा। सीएम ने विधानसभा में 2025-26 के बजट को पेश करने के बाद पत्रकारों से कहा कि उनकी सरकार शराब की दुकानों को खोलने की इजाजत नहीं देगी, लेकिन राज्य में स्थानीय रूप से उत्पादित शराब और बीयर की बिक्री को नियंत्रित करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले पर चर्चों से परामर्श लिया गया है और उन्होंने इस फैसले पर अपनी सहमति दी है। सरकार ने मार्च 2024 में विधानसभा में यह जानकारी दी थी कि वह राज्य के शराब प्रतिबंध कानून की समीक्षा करेगी, जो राज्य में शराब की बिक्री और खपत को प्रतिबंधित करता है। कई क्षेत्रों से शराब प्रतिबंध को हटाने और शराब की दुकानों को खोलने की मांग उठ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ऐसी अपीलों पर विचार नहीं करेगी। बता दें कि 2019 में मिजोरम में शराब पर प्रतिबंध फिर से लागू किया गया था। इससे पहले भी राज्य में शराब प्रतिबंध थे। 1984 में मिजोरम निषेध अधिनियम, 1973 के तहत शराब की दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई थी, लेकिन 1987 में उन्हें बंद कर दिया गया था।

उद्धव ठाकरे ने अबू आजमी के स्थायी निलंबन की मांग की, अखिलेश यादव को भी दे डाली नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने औरंगजेब के संबंध में अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी की आलोचना की और राज्य विधानसभा से उनके स्थायी निलंबन की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्हें स्थायी रूप से निलंबित किया जाना चाहिए। यह सिर्फ बजट सत्र के लिए नहीं होना चाहिए, निलंबन स्थायी होना चाहिए। इससे पहले दिन में, अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष ने निलंबित कर दिया था।

इस बीच, ठाकरे ने अपने निलंबन पर आपत्ति जताने वाले विधायक अबू आजमी का समर्थन करने के लिए यूपी के पूर्व सीएम और एसपी प्रमुख अखिलेश यादव की भी आलोचना की। उन्होंने अखिलेश यादव से कहा कि अगर वे चाहें तो आजमी को यूपी से चुनाव लड़वा दें, क्योंकि पूरे महाराष्ट्र ने उनके बयान पर आपत्ति जताई है। मीडिया से बात करते हुए, ठाकरे ने अखिलेश पर हमला किया और कहा, ÷अगर वह आपत्ति करना चाहते हैं तो उन्हें आपत्ति करने दें। पूरे महाराष्ट्र ने उनके खिलाफ आपत्ति जताई है। अगर वह चाहते हैं, तो उन्हें वहां (यूपी) से चुनाव लड़ना चाहिए। वह सच्चाई नहीं जानते हैं।÷

शिव सेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर कोई औरंगजेब की प्रशंसा करता है या छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करता है, तो उस व्यक्ति के लिए भारत या महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं है। अबू आजमी बीजेपी की बी टीम हैं। उन्होंने कहा कि जब भी बीजेपी महाराष्ट्र में मुसीबत में आती है, वे अबू आजमी को सक्रिय करते हैं। पिछले सत्र में यही हुआ था। महाराष्ट्र में बीजेपी मुसीबत में आ गई, इसलिए उन्होंने अबू आजमी को सक्रिय किया। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए निलंबन पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने लिखा कि निलंबन का आधार यदि विचारधारा से प्रभावित होने लगेगा तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और परतंत्रता में क्या अंतर रह जाएगा। हमारे विधायक हों या सांसद उनकी बेखौफ दानिशमंदी बेमिसाल है। कुछ लोग अगर सोचते हैं कि 'निलंबन' से सच की जुबान पर कोई लगाम लगा सकता है तो फिर ये उनकी नकारात्मक सोच का बचपना है। आज़ाद ख़याल कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

योगी ने अबू आजमी को बुलाया यूपी, मैं करता हूं उनका इलाज

मुंबई। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने के बाद महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी को पूरे बजट सत्र से सस्पेंड कर दिया गया है। महाराष्ट्र का बजट सत्र 3 को शुरू होकर 26 मार्च को खत्म होगा। महाराष्ट्र सरकार में संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील ने सदन में एक प्रस्ताव पेश कर कहा कि आजमी ने जो टिप्पणी की, उससे सदन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, इसकारण उनकी सदस्यता को बजट सत्र के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव को सदन में अध्यक्ष ने पारित कर दिया।

उधर यूपी बजट सत्र के आखिरी दिन सीएम योगी ने विधान परिषद में अबू आजमी के बयान का जिक्र किया। योगी ने कहा कि भारत की आस्था को रौंदने वाले का महिमामंडन करने वाले सदस्य को सपा से बाहर निकाल देना चाहिए। उन्हें (अबू आजमी) यहां बुलाइए। उत्तर प्रदेश इसतरह के लोगों का उपचार करने में देर नहीं करता।

उमर के विधायक का जागा पाकिस्तान प्रेम, कश्मीर समस्या के हल के लिए बात करें

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और खानयार से विधायक अली मोहम्मद सागर ने बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कश्मीर समस्या का हल निकालने के लिए पाकिस्तान को बातचीत में शामिल करना जरूरी है। विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर विधायक सागर ने कहा कि बीजेपी खुद को देश का ठेकेदार समझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों को कभी इख्वानी कहा जाता था, उन्हें अब बीजेपी की फौज बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी असली पहचान तभी बनेगी जब वे सही फैसला लें। सागर ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता ने उमर और फारूक अब्दुल्ला के पक्ष में जनादेश दिया है। उन्होंने पूछा कि अगर चुनाव सही तरीके से हुए, तब यह भी माना जाना चाहिए कि वहां जीतकर कौन आया है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह धर्म के नाम पर लोगों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर बच्चा अब बीजेपी की राजनीति को समझ चुका है और उस पर हंस रहा है। वहीं सागर के बयान पर बीजेपी नेता सुनील शर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान दुखद हैं।

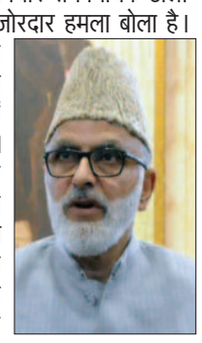

मोदी सरकार सहकार से शक्ति, सहयोग और समृद्धि : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए यह संदेश दिया कि, ग्रामीण पलायन की समस्या का समाधान करने के साथ छोटे किसानों को समृद्ध बनाने के लिए डेयरी एक महत्त्वपूर्ण विकल्प है। डेयरी सेक्टर ने आज सर्कुलरिटी के संबंध में गुड प्रैक्टिसिस को 250 दूध उत्पादक संघों तक पहुँचाने की विजनरी शुरूआत की है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि देश के साथ-साथ ग्रामीण विकास और भूमिहीन छोटे किसानों को समृद्ध बनाने में भारत का डेयरी क्षेत्र बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। पोषण की चिंता, देश को दुनिया का नंबर एक दूध उत्पादक बनाने में योगदान देना और किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान करने में डेयरी क्षेत्र अहम भूमिका निभाता है। कृषि, डेयरी, मत्स्यपालन, बुनाई, ऋण और व्यापार सहित कई प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ सहकारिता क्षेत्र को आजादी के बाद भी वर्षों तक उपेक्षा का शिकार बना कर रखा गया था, जबकि देश की आधी से ज्यादा आबादी किसी-न-किसी रूप में सहकारिता से जुड़ी हुई है। ऐसे में, सकारिता क्षेत्र को एक नया क्षितिज प्रदान करने के लिए मोदी सरकार ने जुलाई, 2021 में सहकारिता मंत्रालय के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया था, जिसका कार्य भार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा गया। जहाँ मोदी जी ने स्वायत्त सहकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करने का काम किया, वहीं जन कल्याण से जुड़ी नीतियों के लिए प्रसिद्ध भारतीय राजनीति के चाणक्य अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता की नींव को मजबूत बनाने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में हिंदी भाषा को लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने

स्थानीय पार्टियां भाषा या जाप-पात के नाम पर बनती हैं- अर्जुन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी भाषा को लेकर तमिलनाडु की सरकार ने केंद्र पर आरोप लगाया है कि वह नई शिक्षा नीति 2020 के तहत तीन भाषाओं के फॉर्मूले पर हिंदी भाषा जबरन थोप रही है। तमिलनाडु में भाषा विवाद पर बीजेपी और कांग्रेस नेता आमने-सामने आ गए हैं। तमिलनाडु में भाषा विवाद को लेकर बीजेपी नेता अर्जुन सिंह ने कहा कि इस देश में संविधान ने 22 भाषाओं को मान्यता दी है। निश्चित रूप हिंदी भाषा देश की भाषा है। इस देश का दुर्भाग्य है कि जितनी भी स्थानीय पार्टियां बनती हैं, वह या तो भाषा के नाम पर बनती हैं या जात-पात के नाम पर, लेकिन जब राजनीतिक शासन करने की बात आई तो लोगों ने कहीं धर्म के नाम पर, कहीं जाति के नाम पर या फिर भाषा के नाम पर लड़वाया जाता है। हमारे देश के जवान हैं, वह हर प्रांत से आते हैं और हर भाषा को बोलने वाले होते हैं, फिर भी एक साथ काम करते हैं।

तमिलनाडु में भाषा विवाद पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि बीजेपी कुछ भी कर सकती है। वे हिंदी थोप सकते हैं, धर्म थोप सकते हैं। भाषा की लड़ाई पहले भी होती रही है। उन्होंने कहा कि पहले यह तय किया गया था कि तीन भाषा का फॉर्मूला रहेगा। अंग्रेजी, मातृ भाषा और हिंदी। जिस तरह से बीजेपी हिंदी भाषा को थोपकर जनाधार खड़ा करना चाहती है, वह सही नहीं है, आप उन पर हिंदी नहीं थोप सकते हैं।

बता दें कि तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने कहा था कि केंद्र सरकार स्कूली छात्रों के लिए धन मुहैया कराने के लिए त्रिभाषा नीति लागू कर रही है, लेकिन तमिलनाडु ने अपनी सफलता के लिए दो-भाषा नीति को अपनाया है। सीएम ने कहा कि तमिलनाडु ने अपनी मातृभाषा तमिल के साथ-साथ अंग्रेजी को तरजीह दी है, हिंदी की बजाय अंग्रेजी को अपनाकर राज्य ने दुनिया से संवाद स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने हिंदी को थोपे जाने के खिलाफ आवाज उठाई है और अब उत्तरी राज्यों से भी इसे समर्थन मिल रहा है।

मणिशंकर अय्यर के बयान पर सफाई में उतरी कांग्रेस, हरीश रावत ने बताया फरस्टेटेड व्यक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी ने बुधवार को एक नया विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी को पहले कैम्ब्रिज में और फिर इंपीरियल कॉलेज में दो बार शिक्षाविदों में असफल बताया। अपनी ही पार्टी के प्रधान मंत्री की आलोचना करने वाले अय्यर की टिप्पणी ने सत्तारूढ़ भाजपा को सबसे पुरानी पार्टी पर हमले को तेज करने के लिए नया हथियार दे दिया है। हालांकि, अब कांग्रेस मणिशंकर अय्यर के इस बयान के बाद सफाई में आ गई है और भाजपा पर निशाना भी साध रही है।

कांग्रेस सांसद कुँवर दानिश अली ने कहा कि राजीव गांधी को देश में आईटी क्रांति और आधुनिकीकरण लाने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत भी की थी। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो फ्रस्टेटेड व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि मैं राजीव गांधी को जानता था, जिन्होंने देश को आधुनिक दृष्टिकोण दिया।

उन्होंने अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के लिए भी ठोस कदम उठाये। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी (कांग्रेस) का एक वर्ग उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, वरना देश का इतिहास कुछ और होता। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके भाषण आज भी नेताओं का मार्गदर्शन करते हैं।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि अमित मालवीय को चीजों को संपादित करने की आदत है। इसमें कितना सही है और कितना गलत ये तो मणिशंकर ही बता सकते हैं। लेकिन सवाल यह नहीं है कि राजीव गांधी पास हुए या फेल। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी कैसे थे? प्रधानमंत्री बनने के बाद राजीव गांधी ने किस तरह के काम किये? अगर आपको राजीव गांधी का विश्लेषण करना है तो आपको उनके काम का विश्लेषण करना होगा।

उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि बीजेपी वाले पीएम की डिग्री दिखाने को भी तैयार नहीं हैं। पीएम खुद कहते हैं कि वह चाय बेचते थे और मैट्रिक पास कर चुके हैं, लेकिन हम उन्हें उनकी शिक्षा के कारण नहीं देखते हैं। हम उन्हें पीएम के तौर पर उनके काम की वजह से देखते हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री कभी कैम्ब्रिज नहीं गए लेकिन वह एक सक्षम प्रधान मंत्री थे। इसलिए राजीव गांधी एक सक्षम प्रधानमंत्री थे। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है।

एफआईआर में जाति का जिक्र क्यों? हाईकोर्ट ने यूपी डीजीपी से मांगा जवाब

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी के डीजीपी से सवाल पूछा है। कोर्ट ने कहा है कि वे बताएं कि आखिर एफआईआर में जाति लिखने की क्या जरूरत है और इससे क्या फायदा होता है। जस्टिस विनोद दिवाकर ने संस्थागत पूर्वाग्रह और कुछ समुदाय के साथ सौतेले बर्ताव के खतरे को लेकर भी चिंता जताई। कोर्ट ने डीजीपी को आदेश दिया कि वह पर्सनल एफिडेविट दाखिल करें। अगली तारीख पर वह बताएं कि आखिर किसी मामले की एफआईआर में संदिग्धों की जाति लिखने की क्या जरूरत है। एक ऐसे समाज में ऐसा क्यों जरूरी है, जहां जाति एक संवेदनशील मसला है और उसके नाम पर समाज में विभाजन की स्थिति पैदा हो सकती है।

जज ने कहा कि संविधान इस बात की गारंटी देता है कि देश में जातिगत भेदभाव खत्म हो। सभी के लिए समानता और गरिमा के साथ बर्ताव किया जाएगा। पक्षपात के साथ न्याय की

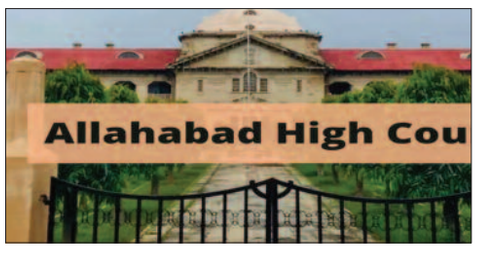

परिभाषा पूरी नहीं होती है। न्याय सभी के लिए एक समान और एक जैसे तरीके से होना चाहिए। जस्टिस दिवाकर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं में जाति और धर्म के उल्लेख करने पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि था कि याचिका में जाति या धर्म लिखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होता। इसकी बजाय भेदभाव को ही बढ़ा देता है। दरअसल यह मामला 2023 में दायर एक केस को लेकर सुनवाई का है। इटावा पुलिस ने 2013 में आईपीसी और एक्साइज ऐक्ट के तहत एक केस दर्ज किया था। इस मामले में आरोपी बनाए गए शख्स को लेकर पुलिस का दावा था कि वह एक अन्य शख्स के साथ कार में सवार था। जांच के दौरान गाड़ी से व्हिस्की की 106 बोतलें पाई गईं। इन बोतलों पर लिखा था- केवल हरियाणा में बिक्री के लिए। उससे पूछताछ के बाद एक और कार को पकड़ा, जिससे 237 बोतलें बरामद हुई थीं। इस मामले में पुलिस का दावा था कि आरोपी गैंग लीडर है, जो हरियाणा से शराब लाता है और उसकी बिहार में बिक्री होती है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि हरियाणा से सस्ती शराब लाकर बिहार में ऊंचे दामों पर बेची जाए, जहां शराब पर बैन है। इस काम से वे मोटा मुनाफा कमा रहे थे।

ऐसा करने के लिए आरोपियों की ओर से अलग-अलग गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाता था। कई बार एक ही गाड़ी को नंबर प्लेट बदलकर इस्तेमाल किया जाता था। इस मामले की एफआईआर पढ़ने के बाद कोर्ट ने पाया कि सभी आरोपियों की जाति का भी जिक्र किया गया है। इसको अदालत ने आपत्तिजनक माना और डीजीपी से जवाब मांगा है।

केजरीवाल के वीआईपी कल्चर पर स्वाति मालीवाल का तंज, ट्रंप से बड़ा काफिला लेकर चल रहे

-भाजपा का आरोप, विपासना के नाम पर ढोंग और नौटंकी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के करीब एक माह बाद पूर्व सीएम और आप पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे हैं। वे अपनी पत्नी सुनीता के साथ आनंदगढ़ में 10 दिवसीय विपश्यना सत्र में शामिल होकर ध्यान लगाएंगे। इस बीच केजरीवाल के काफिले का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

दरअसल केजरीवाल कभी नेताओं के वीआईपी कल्चर का विरोध करते थे, लेकिन जब वे पंजाब पहुंचे, तब उनकी गाड़ियों का लंबा काफिला दिखाई दिया। पूर्व सीएम के काफिले का वीडियो वायरल होने पर आप की बागी और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल पर तंज कसा है।

स्वाति ने काफिले का वीडियो शेयर कर लिखा कि केजरीवाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा

लेकर घूम रहे हैं। राज्यसभा सांसद स्वाती ने लिखा, जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को? सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल जी आज खुद ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं।

वहीं बीजेपी भी केजरीवाल के काफिले को लेकर आम आदमी पार्टी को घेर रही है। बीजेपी नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ऐसी विपासना का क्या फायदा जहां सादगी और आत्मचिंतन की जगह 50 गाड़ियों के काफिले में अहंकार और दिखावा हो? केजरीवाल की ये नकली सादगी एक और नौटंकी है, जो व्यक्ति भ्रष्टाचार और अहंकार में डूबा हो, वहां विपासना के असली अर्थ को क्या समझेगा? जनता सब देख रही है!

वहीं आम आदमी पार्टी की ओर से बताया गया कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने केजरीवाल को सुरक्षा दी है। कांग्रेस और बीजेपी वाले मिले हुए हैं। केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं और न ही पंजाब के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं।

बैंक से लोन लेने में महिलाएं भी पुरुषों से पीछे नहीं, हर साल बढ़ रही दर

-रिपोर्ट से हुआ खुलासा, 38 फीसदी ने सोना गिरवी रखकर लिया पर्सनल लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोन लेने के मामले में अब महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। वे बैंकों से पैसा उठा रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लोन लेने वाली महिलाओं की संख्या पिछले पांच सालों में 22 फीसदी सालाना दर से बढ़ी है। महिलाओं ने 42 फीसदी पर्सनल लोन अपने उपभोग से जुड़ी वस्तुओं और घर खरीदने के लिए लिया है। बैंक से लोन लेने वाली महिलाएं मुख्य रूप से सेमी-अर्बन और रूरल इलाकों से आती हैं। ये भी पता चला है कि महिलाओं में अपने क्रेडिट स्कोर को लेकर भी जागरूकता बढ़ी है। क्रेडिट स्कोर चेक करने वाली युवा लड़कियों की दर सालाना करीब 56 फीसदी से बढ़ रही है।

सोमवार को प्रकाशित हुई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि महज तीन फीसदी महिलाओं ने बिजनेस के लिए लोन लिया है। पर्सनल लोन, कंज्यूमर लोन, होम लोन का हिस्?सा 42 फीसदी था। गोल्?ड लोन सबसे ज़्?यादा लिया गया। 38 फीसदी महिलाओं ने सोना गिरवी रखकर लोन लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 से कारोबार के इरादे से खोले गए लोन अकाउंट की संख्या में 4.6 गुना बढ़ोतरी हुई है लेकिन ये लोन 2024 में महिलाओं द्वारा लिए गए कुल लोन का सिर्फ तीन फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ज्यादातर महिलाएं लोन लेना चाह रही हैं और सक्रिय रूप से अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी भी कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला उधारकर्ताओं में से 60 फीसदी कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से थीं। उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में इस दौरान महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा लोन लिया है। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि बैंक और फाइनेंशियल कंपनियों के पास महिलाओं को लोन देने का मौका है। महिलाएं लोन लेकर अपनी फाइनेंशियल पावर बढ़ाना चाहती हैं।

मथुरा रेडियो पर डॉ. राधाकांत शर्मा की हिन्दी वार्ता का प्रसारण 07 मार्च को

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी) वृन्दावन।ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) के मथुरा-वृन्दावन केंद्र से नगर के युवा साहित्यकार व पत्रकार डॉ. राधाकांत शर्मा की हिन्दी वार्ता का प्रसारण 07 मार्च 2025 को किया जाएगा।इस बारे में जानकारी देते हुए आकाशवाणी मथुरा-वृन्दावन केंद्र के कार्यक्रम अधिशासी अधिकारी डॉक्टर देवेंद्र सारस्वत ने बताया है कि "विश्वप्रसिद्ध बरसाना की लट्ठमार होली की परम्परा और महत्व" विषय पर युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा की हिन्दी वार्ता का प्रसारण केंद्र से "वनिता लोक" कार्यक्रम के अंतर्गत 07 मार्च 2025 को दोपहर 01:15 बजे किया जाएगा। यह प्रसारण 10 मिनट का होगा। जिसे आप सभी श्रोतागण आकाशवाणी के एफ.एम. चैनल संख्या 102.20 पर श्रवण कर सकते हैं।

डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल द्वारा समग्र शिक्षा परियोजना के अंतर्गत 479 अभिभावकों को 246 आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं को दिया गया प्रशिक्षण

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी) वृन्दावन।मथुरा रोड़ स्थित डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल द्वारा चलाई जा रही समग्र शिक्षा परियोजना के अंतर्गत 479 अभिभावकों को 246 आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं के साथ 4 ब्लॉक्स (बलदेव, राया, मथुरा और फरह) में प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. श्रॉफ आई हॉस्पिटल, वृन्दावन के वरिष्ठ प्रशासक सी.पी. मैसी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एम.डी.वी.आई. बच्चों की पहचान कर उनको समाज से और शिक्षा से जोड़ने के तरीकों पर चर्चा की गई। साथ ही, परिवार और समाज की भूमिका को भी समझाया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करने में मदद करना है।हमें उम्मीद है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. सूफियान दानिश, मुकेश कुमार(एच.आर. डिपार्टमेंट), संगीता लवानिया आदि की उपस्थिति विशेष रही।

शहीद स्मारक के प्रतीक चिन्ह (लोगो) तैयार करने के लिए आमजन से प्रविष्टियां आमंत्रित की

पंचकूला, 6 मार्च - (शशि किरण अरोड़ा) -- आज का मुद्दा-- उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा आजादी की पहली लड़ाई में शामिल और शहीद हुए लोगों और वीर जवानों की बहादुरी एवं शहादत को नमन करने हेतु अम्बाला कैंट के नजदीक अम्बाला-नई दिल्ली नेशनल हाईवे-44 पर 22 एकड़ भूमि पर एक भव्य और विशाल शहीद स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस शहीद स्मारक के लिए प्रतीक चिन्ह (लोगो) तैयार करने हेतु इच्छुक व्यक्ति/डिजाईनर/कलाकार एवं आमजन से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। जिस व्यक्ति के प्रतीक चिन्ह (लोगो) का चयन होगा, उसे सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग की ओर से एक लाख रुपये का ईनाम दिया जाएगा। प्रविष्टियां भेजने की अन्तिम तिथि एक अप्रैल को सांय 5 बजे तक रहेगी। उपायुक्त ने बताया कि सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा तथा संवाद सोसायटी के अधिकारियों/कर्मचारियों इसके प्रतिभागी नहीं हो सकते। अन्य सभी प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियां एससीओ. नं0 200-201, सेक्टर 17-सी, चण्डीगढ़ कार्यालय में अन्तिम तिथि तक भेज सकते हैं जिसके बाद कोई भी प्रविष्टि मान्य नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्रतीक चिन्ह ऐसा हो जो स्मारक की पहचान को दशार्ता हो। प्रतीक चिन्ह प्रेरणादायक हो। प्रतिभागी अपने प्रतीक चिन्ह के ऊपर कोई वाटर मार्क नहीं डालेगा। प्रतीक चिन्ह का थीम 1857 की क्रान्ति पर ही होनी बाहिए। उन्होंने बताया कि प्रतीक चिन्ह का चयन कमेटी द्वारा किया जाएगा और उनका निर्णय अन्तिम होगा।

फाल्गुन के रंग,खाटू श्याम प्रभु के संग

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा रिसिया बहराइच इतर की फुहार,अबीर गुलाल की होली,फाल्गुन की धमाल के संग निशान शोभा यात्रा निकाल कर खाटू धाम के लिए रवाना की गई है । रिसिया कस्बे में श्री श्याम कृपा संघ की ओर से श्री संतोषी माता,श्री श्याम बाबा मंदिर पर निशान पूजन के साथ भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया था,बुधवार को ज्योति पूजन के बाद निशान शोभा यात्रा निकाली गई,इतर और फूलो की वर्षा के साथ अबीर गुलाल उड़ाते हुए श्याम बाबा के मतवाले धमाल मचाते हुए चल रहे थे,महिलाए रंग बिरंगी परिधानों सजी हुई निशान को लेकर चल रही थी,निशान शोभा यात्रा ने कस्बे के विभिन्न मार्गो से होते हुए दिनेश दोचानिया के आवास पर जाकर विश्राम किया,यही से निशान खाटू धाम के लिए रवाना की गई। अपराध निरीक्षक मनोज सिंह की अगुवाई में पुलिस बल सुरक्षा प्रदान करते हुए चल रही थी। इस अवसर पर प्रेम गोयल, अजीतंजय भारतीय चैयरमेन प्रतिनिधि, राजेश निगम पूर्व चेयर मैन,रजनीश गर्ग,उमेश गर्ग, मुकुल अग्रवाल,अमित लाट,, संगीता दो चानिया,मीनू लाट,शालू गर्ग, नीशू,बबली अग्रवाल,श्रुति बंसल,ज्योति गर्ग सहित मौजूद रहे। ।।

बहराइच खैरीघाट में टीम ने तीन आवारा कुत्तों को पकड़ा, नसबंदी के बाद गांव में छोड़े जाएंगे कुत्ते

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा खैरीघाट/बहराइच, खैरीघाट थाना क्षेत्र में दो सप्ताह से आवारा कुत्तों के हमले हो रहे हैं, जिसके चलते कुत्तों को पकड़ने का अभियान चल रहा है। बुधवार को खंड विकास अधिकारी की अगुवाई में टीम ने तीन आवारा कुत्तों को पकड़ा है, जिनका नसबंदी किया जाएगा। जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र में आवारा कुत्तों का हमला बढ़ गया है। एक बालिका की मौत के बाद दर्जनों लोग हमले में घायल हो चुके हैं। इसे देखते हुए कुत्तों को पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को खंड विकास अधिकारी अनुष्का श्रीवास्तव की अगुवाई में ग्राम पंचायत लौकिहा की टीम ने तीन कुत्तों को पकड़ लिया है। इस मामले में खंड विकास अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी मोनिका रानी के दिशा-निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है। कुत्तों को पकड़कर पशु विभाग को दिया जा रहा है। इनका नसबंदी किया जाएगा और इसके कुछ दिन बाद पुनः गांव में छोड़ दिया जाएगा।

"हरियाणा सरकार ने किसानों को 24 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) दिया है, अब पंजाब सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए" : ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज

चंडीगढ़, 6 मार्च -(शशि किरण अरोड़ा) -- आज का मुद्दा--हरियाणा के ऊर्जा , परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि "हरियाणा सरकार ने किसानों को 24 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) दिया है, अब पंजाब से भी किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य मांग रहें है, इसलिए पंजाब सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए"। इसी प्रकार, श्री विज ने कहा कि "कांग्रेस में लंबे समय से घमासान मचा है इसीलिए अभी तक वह अपने नेता का चयन नहीं कर पाए और वैसे भी राहुल गाँधी का चेप्टर क्लोज हो गया है"। इसी तरह, विज ने दिल्ली में कैग रिपोर्ट पर कहा कि "कैग की रिपोर्ट को गंभीरता से लिया जायेगा और उस पर कार्यवाई भी की जाएगी"।

विज एक बार फिर कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे पर हल्ला बोलते हुए मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

"कांग्रेस के घमासान को थामने के लिए शायद केंद्रीय नेता बैठक कर रहे हैं" - विज

पत्रकारों द्वारा राहुल गांधी आज कांग्रेस हरियाणा के लिए दिल्ली में बैठक कर रहे है, को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में अनिल विज ने कहा कि "यह कांग्रेस के घर का मामला है और कांग्रेस के घर में लंबे समय से घमासान मचा हुआ है और अब तक विधायक दल के नेता का चयन भी नहीं हो पाया है। इसलिए उस घमासान को थामने के लिए शायद केंद्रीय नेता बैठक कर रहे हैं"।

राहुल गाँधी तो रोज सुबह उठ कर सरकार को कोसने का काम करते है - विज

कांग्रेस के युवराज ने मोदी की बीजेपी सरकार को बेरोजगारी, महंगाई और झूठ का थोक उत्पादन करने वाली सरकार बताया, के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि "राहुल गाँधी तो रोज सुबह

उठ कर सरकार को कोसने का काम करते है। अब वह सरकार को जितना मर्जी कोस लें, उनकी सरकार आने वाली नहीं है, और उनका चेप्टर हमेशा हमेशा के लिए क्लोज हो गया है"।

लोकसभा की सीटें बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने वाला बयान जायज नहीं है - विज

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने विवादित ब्यान दिया था कि लोकसभा की सीटें बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करें, विज ने इसे लेकर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "यह जायज ब्यान नहीं है। विज ने इस बारे में आगे के परिणाम के पूवार्नुमान को लगाते हुए कहा कि "पहले ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करो, फिर उनके खाने पीने का भी इंतजाम करो, उनकी नौकरी और शिक्षा का भी इंतजाम करो। उन्होंने कहा ये बिना सोची समझी बात है इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए"।

कैग द्वारा उठाई गई बातों पर कार्रवाई करना दिल्ली सरकार का कर्म और धर्म है - विज

दिल्ली में स्वास्थ्य विभाग को लेकर कैग रिपोर्ट को लेकर बीजेपी और आम आदमी पार्टी आमने सामने है, इस संबंध में अनिल विज ने कहा कि "कैग ने जो बातें उठाई हैं उन पर कार्रवाई करना जरूरी है तथा दिल्ली सरकार का यह कर्म और धर्म भी है। विज ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के विधायक बेवजह हंगामा कर रहे है, वैसे भी कैग की रिपोर्ट जब भी आती है उसे गंभीरता से लिया जाता है और उस पर कार्यवाई भी होती है"।

हरियाणा सरकार 24 फसलों पर एमएसपी दे रही है, अब पंजाब से भी किसान एमएसपी मांग रहें है - विज

पंजाब में किसान, किसानों की गिरफ़्तारी को लेकर भगवंत मान सरकार का विरोध कर रहे है, और आज अमृतसर में किसानों ने मुख्यमंत्री भगवंत मान का पुतला भी जलाया, जिस पर विज ने अपनी प्रतिक्रिया देते कहा कि "हरियाणा सरकार ने किसानों को 24 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) दिया है, अब पंजाब से भी किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य मांग रहें है, इसलिए पंजाब सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए"।

बहराइच कुत्तों के हमलों की पुनरावृत्ति होने पर दण्डित किये जाएंगें अधिकारी डीएम

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच 05 मार्च। जनपद में कुत्तों एवं बंदरों के हमलों पर प्रभावी अंकुश तथा पीड़ित व्यक्तियों के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही की समीक्षा हेतु मंगलवार को देर शाम जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान वर्चुअली प्रतिभाग कर रहे नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों एवं पशु चिकित्साधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की घटना की पुनरावृति होने पर सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सम्पूर्ण जनपद क्षेत्र में अभियान चलाकर हमलावर कुत्तों के बध्याकरण की कार्यवाही की जाय। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सामुदायिक चिकित्सालयों के डाटा का अध्ययन कर अति संवेदनशील एवं संवेदनशील क्षेत्रों का चिन्हांकन कर तद्नुसार कार्यवाही की जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि संवेदनशील क्षेत्रों में अभियान चलाकर आमजन को जागरूक किया जाय। लोगों को बताया जाय कि वह अपने परिवार के बच्चों को अकेले खेतों की ओर न जाने दें। डीएम ने कहाकि सम्बन्धित अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर जमीनी स्तर पर समस्या का पता लगाकर उसका निस्तारण करायें। बैठक में जानकारी दी गई कि सदर अन्तर्गत 279, तेजवापुर में 323, मिहींपुरवा में 345, रिसिया में 391, महसी में 379, शिवपुर 439, फखरपुर में 299, चित्तौरा में 322, जरवल में 421, पयागपुर 372, बलहा में 224, कैसरगंत में 375, नवाबगंज में

361, हुजूरपुर में 237 एवं विशेश्वरगंज में 268 इस प्रकार जिले में 5035 लोगों को रैबीज के इंजेक्शन लगाये गये हैं। डीएम ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों एवं बंदरों आदि से बचाव में कूड़ा प्रबंधन की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जहां पर कूड़े में खाने पीने की सामग्री की अधिकता होती है, वहां प्रायः आवारा पशुओं की संख्या बढ़ जाती है। अतः कूड़े का नियमित उठान और पृथक्कीकरण आवश्यक है। बैठक के माध्यम से डीएम ने सभी जनपदवासियों से अपील की कि वह अपने क्षेत्र के हमलावर कुत्तों बंदरों अथवा अन्य पशुओं के संबंध में संबंधित बीडीओ, ईओ व पशु चिकित्सा अधिकारियों को तत्काल सूचना उपलब्ध करायें। बैठक के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय ने बताया कि अब तक जनपद में 76 कुत्तों का बधियाकरण किया गया है तथा 192 ग्रामसभा में जागरूकता अभियान प्रारम्भ हो गया। डॉ. उपाध्याय ने बताया कि कुत्तों के कारण घायल हुए 81 पशुओं का अब तक इलाज किया गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

बहराइच 9.9 किलो चरस संग नेपाली तस्कर गिरफ्तार, चार करोड़ रुपये बताई जा रही इंटरनेशनल कीमत

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच भारत नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल और रुपईडीहा थाने की पुलिस ने संयुक्त जांच के दौरान चेक पोस्ट के पास से एक नेपाली नागरिक को 9 किलो 900 ग्राम के चरस के साथ गिरफ्तार किया उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक बरामद चरस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में चार करोड़ रुपए है।

पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह के निर्देशन में रूपईडीहा थाने के प्रभारी निरीक्षक दद्दन सिंह और एसएसबी के निरीक्षक सतेंद्र कुमार सिंह की अगुवाई में पुलिस और एसएसबी के जवान भारत नेपाल सीमा पर गश्त कर रहे थे। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा शंकर तिवारी ने बुधवार को प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि टीम मंगलवार रात पौने नौ बजे पुलिस और एसएसबी के जवान रूपईडीहा चेक पोस्ट पर आने जाने वाले लोगों की जांच कर

रहे थे। नेपाल से भारतीय सीमा में प्रवेश करते समय एक नेपाली नागरिक को रोका गया। जिसके पास मौजूद पैकेट की तलाशी ली गई तो उसके पास चार किलो नौ सौ ग्राम चरस बरामद हुआ। इस पर उसे हिरासत में लेकर थाने लाया गया। थानाध्यक्ष दद्दन सिंह ने बताया कि तस्कर की पहचान नेपाल राष्ट्र के रोलपा जिला के वार्ड नंबर सात पालिका थवांग निवासी गोरे घरती मगर पुत्र कुंभ घरती के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बरामद चरस को सीज करवा दिया गया है। सीओ प्रदुम्न सिंह ने बताया अंतरराष्ट्रीय बाजार में चरस की कीमत 4 करोड रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान टीम में उप निरीक्षक विजय कुमार महिला उप निरीक्षक दीक्षा पटेल कांस्टेबल अभिषेक हर द्विवेदी प्रिया पांडे और एसएसबी की ओर से एएसआई पवनप्रीत कौर, अंजू कुमारी, राखी कुमारी, सीमा चंद्र, सुमित्रा देन, डॉग हैंडलर मोहम्मद फारूक, समीर मौजूद रहे।

चंडीगढ़ : किसान प्रदर्शन : पुलिस ने चंडीगढ़ की सीमाएं सील कीं

चंडीगढ़, 5 मार्च -(शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा-- संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले कई किसान संघ अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने के लिए बुधवार को चंडीगढ़ के लिए रवाना हो रहे हैं। इसलिए सतर्कता बरतते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया है, शहर में प्रवेश करने वाली सभी सीमाओं को सील कर दिया है और यात्रियों को कुछ मार्गों से बचने की सलाह जारी की है। भारतीय किसान यूनियन (एकता-उग्राहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उग्राहां ने किसानों से अपील की है कि वे सड़कें, राजमार्ग और रेलवे ट्रैक अवरुद्ध न करें क्योंकि इससे आम जनता को परेशानी होगी। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि यदि उन्हें आगे बढ़ने से रोका गया तो वे सड़क किनारे धरना दे दें। उन्होंने सभी किसान यूनियनों से चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा में शामिल होने और मजबूत विरोध दर्ज कराने की अपील की, जहां प्रशासन ने अभी तक विरोध प्रदर्शन के लिए जगह आवंटित नहीं की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि किसानों को शहर की सीमा पर ही रोक दिया जाएगा।

बहराइच अहिरौरा में सामुदायिक भवन निर्माण की मिली स्वीकृति

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 05 मार्च। मंगलवार देर शाम जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में परियोजना स्वीकृति संबंधित बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री प्रोत्साहन पुरस्कार योजना अंतर्गत विकासखंड चित्तौरा, ग्राम पंचायत अहिरौरा में प्रस्तावित सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान करते हुए भवन निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मोनिका रानी के मार्गदर्शन में जनपद में सभी विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं पर तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में बनाये जा रहे सामुदायिक भवन निर्माण में मुख्यमंत्री प्रोत्साहन पुरस्कार योजना अंतर्गत प्राप्त प्रोत्साहन धनराशि रू. 21 लाख 81 हजार 86 तथा मनरेगा की आंशिक धनराशि रू. 03 लाख 09 हजार 996 कुल धनराशि रू. 24 लाख 91 हजार 82 की लागत से सामुदायिक भवन (शादी घर) का निर्माण किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, डीडीओ राज कुमार, डीपीआरओ बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

13 माह बाद रेल की पटरियों पर मंथर गति से चलते नजर आए रेलइंजन

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

रिसिया, तेरह माह के बाद बहराइच से रिसिया के मध्य रेल की पटरियों पर रेल के इंजन और रेल की पटरियों को ढोने वाले वैगन मंथर गति से चलते हुए नजर आए है। आमान परिवर्तन कार्य के दौरान 10फरवरी 2024से बहराइच और नानपारा तथा नानपारा से रूपईडीहा के मध्य रेलवे ट्रेन का संचालन बंद हो गया था,और रेल की पटरियां उखाड़ दी गई थी,आमान परिवर्तन का कार्य काफी तेज गति से होने के साथ इस मार्ग पर अब रेल की पटरियों को बिछा दिया गया है। और प्लेटफार्म भी बनकर तैयार हो रहे है।इस बीच नई बिछी रेल लाइनों पर लाइट इंजन दौड़ने लगे,अब रेल इंजन के साथ रेल लाइनों को ढोने वाले वैगन भी आने लगे है।जिस कारण इस साल के अंतिम माह तक आमान परिवर्तन का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

ट्रेन के इंजन के दीदार करनेके लिए बच्चे और बूढ़े सब रेलवे स्टेशन की ओर दौड़ लगा रहे है।

शिक्षा सबसे बड़े बदलाव का केंद्र : उपराष्ट्रपति

चंडीगढ़, 05 मार्च(संजय राय ,ब्यूरो आज का मुद्दा)- भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि शिक्षा सबसे बड़े बदलाव का केंद्र है। युवा भय मुक्त हों और असफलता से न डरें, असफलता ही सफलता की कुंजी है। पहले प्रयास में अधिकांश लोग सफल नहीं होते हैं, उनको असफल मत कहिए। असफलता का डर भ्रामक है, सोच ऊंची रखिए और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करिए। उपराष्ट्रपति ने बुधवार को सिरसा के गांव ओढ़ां में माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान तथा सिरसा में जननायक चौधरी देवीलाल विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ व उनकी धर्मपत्नी डा. सुदेश धनखड़ का सिरसा आगमन पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा व ट्रस्ट के चेयरमैन पूर्व विधायक अभय सिंह चौटाला सहित अन्य गणमान्य ने स्वागत किया। उन्होंने समारोह में गोल्ड मेडलिस्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया तथा पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी स्व. देवीलाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उपराष्ट्रपति ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की याद में बनने वाले स्मृति संग्रहालय की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि भारत की छलांग हर क्षेत्र में दिख रही है। आज के दिन हमारे युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ ही अपने कर्तव्यों का समाज हित में निर्वहन करें।

...जय पहलवान बोलिए

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान, जय किसान का नारा दिया, श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जय विज्ञान जोड़ दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कदम आगे बढ़ते हुए जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान का नारा दिया। हरियाणा की ऊजार्वान भूमि देश को बड़ी ताकत देती है, हरियाणा के युवाओं से दुनिया में भारत का डंका बजता है। उन्होंने कहा कि जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान के साथ जय पहलवान भी कहें। हरियाणा की पहचान अमिट है, यह ऊर्जा स्फूर्ति का केंद्र है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव लाना होगा। ये बदलाव हमारे युवा लाएंगे। श्री धनखड़ ने कहा कि पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की सोच, उनका दर्शन गांव, गरीब व किसान के लिए समर्पित रहा। उनका अटूट संकल्प ग्रामीण व्यवस्था पर था। मेरी दृढ़ मान्यता है कि विकसित भारत आज हमारा सपना नहीं, लक्ष्य है।

18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के का विवाह करना संज्ञेय और गैर जमानती अपराध - मोनिका गुप्ता

पंचकूला, 6 मार्च -(शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा-उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया है, इस दिन बाल विवाह अधिक संख्या में होते है जोकि एक दंडनीय अपराध है। इस प्रकार की शादी गैर कानूनी व अमान्य मानी जाती हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, उसको बढ़ावा देता है या करने में उसकी किसी भी प्रकार से सहायता करता है उसे 2 साल तक की कैद या 1 लाख तक का जुमार्ना हो सकता है। जिला में बाल विवाह की सूचना महिला एवं बाल विकास विभाग के बाल विवाह निषेध अधिकारी को या हेल्पलाइन नंबर 181, 112 और 1098 पर दे सकते है। मोनिका गुप्ता ने बताया कि बाल विवाह रोकने के लिए एसीपी पंचकूला, बाल विवाह निषेध अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, सीडब्ल्यूसी चेयरमैन, श्रम विभाग के अधिकारियों की टीम जिला में अक्ष्य तृतीय के अवसर पर बाल विवाह रोकने के लिए सक्रिय रहेगी। उपायुक्त ने कहा कि अक्ष्य तृतीय के पवित्र दिन अनेक धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते है और इस दिन सामूहिक बाल विवाह के

आयोजनों की भी संभावना होती है। उन्होंने कहा कि 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के का विवाह करना संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, उसको बढ़ावा देता है या उसकी सहायता करता है, को 2 साल तक की कड़ी कैद या एक लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह से जहां बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण पर बुरा असर पड़ता है वहीं बच्चों के उत्पीड़न व शोषण को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह से बच्चों की शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर समाप्त होते है और मातृत्व मृत्यु दर में बढ़ोतरी होती है। पायुक्त ने अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी जिलावासी को अपने आस-पास बाल विवाह होने की जानकारी मिलती है तो वे तुरंत इसकी सूचना चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1098, पुलिस हेल्पलाईन नंबर 112 और महिला एवं बाल विकास हेल्पलाईन नंबर 181 पर दें ताकि बाल विवाह को रूकवाया जा सके और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

सरस मेले में सभी राज्यों के हस्तनिर्मित उत्पादों की हो रही बंपर सेल

आज का मुद्दा-नोएडा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के समर्थन से आयोजित सरस आजीविका मेला-2025 का आयोजन सेक्टर-33ए स्थित नोएडा हाट में किया जा रहा है। बुधवार को सरस मेले के 13वें दिन भी लोगों ने यहां जमकर खरीदारी की। 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक के आयोजन में देशभर के 31 राज्यों से महिला उद्यमी अपनी हस्तकला का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उक्त मेले में जहां एक ओर हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम के उत्पाद धूम मचा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर देश के पहाड़ी राज्यों के उत्पाद भी लोगों को खासे भा रहे हैं। मंगलवार को सरस मेले के 12वें दिन भी लोगों की खासी भीड़ रही तथा जमकर खरीदारी भी की। सरस मेले में सभी राज्यों के हस्तनिर्मित उत्पादों की दिनोंदिन बंपर सेल हो रही है। वहीं लखपति दीदी की संज्ञा मिलने से भी सभी राज्यों की उद्यमी महिलाएं खासी प्रेरित हो रही हैं। उक्त संबंध में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू से बुनगन दुर्गा माता एसएचजी की इन्दिरा ने बताया कि उन्होंने अपने समूह का गठन आज से चार वर्ष पूर्व वर्ष-2022 में किया था। केंद्र सरकार से समूह को चलाने में निरंतर सहयोग मिलता रहा, जिसके परिणामस्वरूप आज उनके समूह से करीब 40 महिलाएं जुड़ी हैं, जिन्हें रोजगार मिल रहा है। इनके उत्पादों में हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम के उत्पाद महिलाओं को खासे भा रहे हैं। हमारे उत्पादों में मुख्य रूप से हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम के उत्पाद शामिल हैं, जिनमें कुल्लू शॉल प्रमुख है। वहीं जम्मू-कश्मीर से आफताब एसएचजी की संचालिका नुजहत हुसैन ने भी केंद्र सरकार के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि सरकार हमें आत्मनिर्भर बना रही है, इसके लिए किन शब्दों में सरकार का शुक्रगुजार करें। इनकें उत्पादों में इम्ब्रोइडरी ड्रैस तथा पश्मिना शॉल शामिल हैं। सरस आजीविका मेला वास्तव में स्वाद, हस्तकला और संस्कृति का महासेगम बना है। जहां पूरे भारत की संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है। मेले में उत्तराखंड की जय मां काली एसएचजी के बैग एवं पर्स के साथ ही हिमाचल एवं झारखंड के अचार की लोगों ने जमकर खरीदारी की।इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर के आफताब एसएचजी के सूट, कश्मीरी शॉल तथा साड़ी महिलाओं की पहली पसंद बने। वहीं हिमाचल प्रदेश के जेकेट्स तथा साड़ी-सूट की भी जमकर खरीदारी हुई। सेक्टर-33ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित सरस आजीविका मेला-2025 में दिनोंदिन खरीदारों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। मंगलवार को जहां एक ओर मेले के 12वें दिन लोगों ने खसकर महिलाओं एवं युवतियों ने मेले में जमकर खरीदारी की। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के समर्थन से आयोजित इस मेले में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में मंगलवार को जमकर खरीदारी हुई। इंडिया फूडकोर्ट में भी लोगों की खासी चहल-पहल रही। फूडकोर्ट के सब कॉर्डिनेटर विष्णु जीके ने बताया कि इंडिया फूडकोट में देश के सभी राज्यों के स्वादिष्ट एवं प्रचलित व्यंजन उपलब्ध हैं, जिनका लोगों को भरपूर जायका मिल रहा है। एक छत के नीचे पूरे देश के व्यंजनों का स्वाद ही इंडिया फूडकोट की पहचान है। मंगलवार को सरस मेले के 13वें दिन यहां न सिर्फ खासी भीड़ रही, बल्कि लोगों ने जमकर खरीदारी भी की। मनोरंजन के क्षेत्र में भी सरस मेला खासी ख्याति अर्जित कर रहा है। 13वें दिन बुधवार को यहां मानसी अग्रवाल के कलाकारों ने स्टोरी टेलिंग की मनमोहक प्रस्तुति दी।यहां राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया, शोध अधिकारी सुधीर कुमार सिंह तथा सुरेश पंसाद के सहित केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं एनआईआरडीपीआर के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी व्यवस्था में जुटे हैं।

नोएडा इंडोर स्टेडियम में आगामी 02 से 04 मई 2025 तक "रेसलिंग गोल्ड कप" प्रतियोगिता होनी प्रस्तावित

नोएडा संवाददाता : संगीता फांउडेशन के सलाहकार अंजनी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नोएडा इन्डोर स्टेडियम नोएडा में आगामी 02 से 04 मई 2025 को प्रस्तावित रेसलिंग गोल्ड कप प्रतियोगिता स्थानीय पहलवानों एवं युवाओं के लिए अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी द्वारा भी खेल एवं शारीरिक स्वस्थता को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन के प्रयास किये जा रहे है। यह आयोजन भविष्य में संभावनाओं के नये द्वार खोलेगा। श्री सिंह ने कहा कि जिला कुश्ती एसोसिएशन के आवाहन पर 'संगीता फांउडेशन' इस आयोजन में 'चेरिटी पार्टनर' के रूप में सहयोग कर रही है। 'संगीता फांउडेशन' गरीब, निःसहाय, अनाथ एवं निशक्त बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करती है। फांउडेशन द्वारा आठ निःशुल्क कोचिंग सेन्टर भी संचालित किये जा रहे है।

जिला कुश्ती एसोसियेशन के उपाध्यक्ष प्रदीप जी का कहना है कि इस राज्यस्तर आयोजन में केन्द्र और राज्य स्तर के कई मंत्री एवं माननीय सांसद तथा माननीय विधायक ने आने की सहमति दी है। उन्होंने यह भी बताया कि इस आयोजन में कई कम्पनियां स्पांसरशिप के लिए भी आगे बढ़कर आ रही है। नोएडा स्थित मेसर्स यूफ्लेक्स, भूटानी ग्रुप, मेसर्स गौर ग्रुप, मेसर्स काउंटी ग्रुप, महार्षि पतांजलि ग्रुप, मेसर्स एन.एक्स वन जैसी अनेक कम्पनियों से लगातार वार्ता चल रही है और उत्साहजनक परिणाम मिल रहे है। ड्रिमिंग मोंक के सी.एम.डी. अनुराज श्रीवास्तव ने बताया कि रेडियो इवेंट पॉर्टनर के लिए रेडएफएम रूपरेखा तैयार की जा रही है। सी.ओ. जिला कुश्ती एसोसिएशन के सचिव राजेश जी ने नोएडा अथारिटी के सीईओ श्री लोकेश एम जी का आभार व्यक्त किया और बताया कि उनके ही संरक्षण व सहयोग से नोएडा इन्डोर स्टेडियम का आवंटन हुआ। साथ ही उन्होंने नोएडा अथॉरिटी के अन्य अधिकारियों का भी सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

ड्रिमिंग मोंक के सी.एम.डी. श्री अनुराज श्रीवास्तव एवं आयोजन के मीडिया कोऑडिनेटर आर.बी. सिंह द्वारा प्रिंट मीडिया से अपील की गयी कि प्रिंट मीडिया समाचार पत्रों के सहयोग से इस आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार मिलने पर स्थानीय युवाओं को इस खेल कुंभ की जानकारी मिलेगी और उनके द्वारा इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जायेगा। श्री सिंह ने यह भी बताया कि आयोजन समिति के एक प्रतिनिधि मण्डल द्वारा माननीय विधायक नोएडा पंकज जी से मुलाकात की गयी। मा. विधायक जी द्वारा इस आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की गयी तथा सहयोग का आश्वासन दिया गया। प्रतिनिधि मण्डल शीघ्र ही नोएडा के स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क कर उनका आशीर्वाद एवं सहयोग हेतु अनुरोध करेगा।

सलाम नमस्ते में निक्षय मित्र सम्मान कार्यक्रम

आज का मुद्दा-नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में निक्षय मित्र सम्मान का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए मरीजों की सहायता कर समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सहयोगी को सम्मान दिया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान बतौर अतिथि दादरी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवींद्र कुमार एवं यूपीएचसी वैशाली के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रीतू वर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।कार्यक्रम दौरान आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि यह कार्यक्रम उन सभी व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करने का एक प्रयास है, जो निस्वार्थ भाव से टीबी मरीजों की मदद कर रहे हैं। हमें गर्व है कि सलाम नमस्ते इस महत्वपूर्ण सामाजिक पहल का हिस्सा बन सका। वहीं डॉ. रवींद्र कुमार एवं डॉ. रीतू वर्मा ने निक्षय मित्रों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज को इस दिशा में और अधिक सक्रिय होने की जरूरत है।सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि सेहत सही लाभ कई कार्यक्रम के तहत स्मार्ट संस्था के सहयोग से निक्षय मित्र सम्मान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान रीति फाउंडेशन से डॉ. नरेंद्र सारस्वत, टीबीएचवी से अविनाश कुमार श्रीवास्तव एवं यूपीआईडी से अर्जुन तिलवालिया को टीबी जागरूकता, इलाज, मरीजों की देखभाल एवं मरीज एडॉप्शन के लिए निक्षय मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। निक्षय मित्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि आज के सम्मानित प्रतिभागियों ने टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके इलाज और देखभाल में अहम जिम्मेदारी निभाई।

सी.ए.परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रज्ञान स्कूल की पूर्व छात्रा दिव्या छोंकर ने रचा कीर्तिमान

आज का मुद्दा जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर की पूर्व छात्रा दिव्या छोंकर ने अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम का अद्वितीय परिचय देते हुए सी.ए.की दोनों समूह परीक्षाएं उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। वाणिज्य संकाय की 2022-23 बैच की छात्रा दिव्या ने अपने दृढ़ संकल्प और अनुशासन के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।उनकी इस सफलता पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।विद्यालय के प्रबंधक डा. हरीश कुमार शर्मा एवं डा. प्रधानाचार्या डा. दीप्ति शर्मा ने अपनी पूर्व छात्रा दिव्या छोंकर को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।दिव्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और सतत अभ्यास को दिया। उन्होंने कहा कि सी.ए.की यात्रा कठिन अवश्य है, लेकिन यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और परिश्रम निरंतर जारी रहे, तो सफलता अवश्य मिलती है।

प्रज्ञान स्कूल में 'बजट-2025' पर पैनल परिचर्चा आयोजित

आज का मुद्दा-जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में वाणिज्य वर्ग के छात्र- छात्राओं द्वारा 'बजट-2025' पर एक प्रभावशाली पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया।इस परिचर्चा का उद्देश्य छात्रों को बजट की बारीकियों से अवगत कराना और उन्हें देश की आर्थिक नीतियों को गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करना था।विद्यालय के भव्य सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा, वाणिज्य विभागाध्यक्ष उमेश चंद्र शर्मा एवं वाणिज्य शिक्षक जितेंद्र कुमार गुप्ता द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। वाणिज्य विषय विभागाध्यक्ष उमेश चंद्र शर्मा एवं वाणिज्य शिक्षक जितेंद्र कुमार गुप्ता के दिशा-निर्देशन में आयोजित की गई इस पैनल परिचर्चा में छात्र-छात्राओं ने बजट-2025 के विभिन्न पहलुओं आर्थिक व्यवस्था पर प्रभाव, लघु एवं बड़े उद्योगों पर प्रभाव, किसानों एवं श्रमिक वर्ग पर प्रभाव, मध्यम वर्ग पर प्रभाव एवं बजट के लाभ एवं हानि आदि पर तथ्यों एवं आंकड़ों के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए जिसने परिचर्चा को अत्यंत ज्ञानवर्धक और रोचक बन दिया।इस पैनल परिचर्चा में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं ने अपनी गहन शोध-आधारित प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया।कुछ छात्रों ने बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए परिवर्तनों पर प्रकाश डाला, तो कुछ ने आयकर में हुए संशोधनों एवं इसके आमजन पर प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्र- छात्राओं ने भारत की आर्थिक वृद्धि, व्यापारिक संभावनाओं एवं रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी विचार-विमर्श किया।विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने छात्र- छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि बजट किसी भी राष्ट्र की आर्थिक रीति-नीति का प्रतिबिंब होता है।युवाओं को इसकी बारीकियों को समझना चाहिए, जिससे वे भविष्य में एक जागरूक नागरिक बन सकें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें। प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि "ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, विश्लेषणात्मक क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, जो उनके समग्र विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।

आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम: भारत की विरासत और विकास को करीब से देख रहे युवा

आज का मुद्दा-गौतमबुद्धनगर : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की इकाई नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद एवं गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित 16वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आदिवासी बहुल जिलों झ्र बस्तर, बीजापुर, कांकेर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़, सुकमा और कालाहांडी से आए 120 प्रतिभागियों को बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का प्रेरणादायक भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी युवाओं को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास, तकनीकी नवाचार और राष्ट्रीय एकता के महत्व से परिचित कराना है, जिससे वे अपने क्षेत्रों में लौटकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। इस दौरान युवाओं ने लाल किला, इंडिया गेट और प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया, जहां उन्होंने भारत के स्वाधीनता संग्राम, राष्ट्र-निर्माण और आधुनिक विकास की गाथा को करीब से देखा। प्रधानमंत्री संग्रहालय में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की योगदान गाथा और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से भविष्य की दिशा को समझने का अवसर मिला। इंडिया गेट पर उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिससे उनमें राष्ट्रभक्ति की भावना और प्रबल हुई। दिल्ली भ्रमण के दौरान पहली बार दिल्ली मेट्रो में सफर करना भी उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव रहा। तेज गति, स्वच्छता, अनुशासन और तकनीकी उन्नति से सुसज्जित मेट्रो यात्रा ने उन्हें यह अहसास कराया कि भारत अब एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इस अनुभव से प्रभावित युवाओं ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह यात्रा उनके जीवन की सबसे अनमोल सीखों में से एक है। एक प्रतिभागी ने कहा, "हमने भारत की महान विरासत और भविष्य की संभावनाओं को पहली बार इतने करीब से देखा। यह हमारे लिए सिर्फ एक भ्रमण नहीं, बल्कि एक नई दिशा दिखाने वाला अनुभव है।" इस कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केंद्र संगठन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय निदेशक महेंद्र सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में गौतमबुद्धनगर की जिला युवा अधिकारी स्निग्धा सिंह, बागपत के उपनिदेशक अरुण कुमार तिवारी, गाजियाबाद के उपनिदेशक देवेंद्र सिंह और बुलंदशहर के जिला युवा अधिकारी आकर्ष दीक्षित द्वारा किया जा रहा है अधिकारियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका, आत्मनिर्भर भारत, पंच प्रण, और ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ल के संकल्पों पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं से अपने क्षेत्र में सीखी गई बातों को साझा करने और समुदाय को जागरूक करने की अपील की। यह कार्यक्रम केवल एक भ्रमण तक सीमित नहीं था, बल्कि एक नए भारत की सोच से युवाओं को जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल थी। इस यात्रा से युवाओं ने यह समझा कि उनका भविष्य केवल परंपराओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे नवाचार, शिक्षा और तकनीकी विकास के माध्यम से अपनी और अपने समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम केवल सांस्कृतिक मेलजोल का मंच नहीं, बल्कि ह्यविकसित भारत @2047ह्ल की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो आदिवासी युवाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस दौरान स्वयंसेवकों में अमन कुमार, प्रकाश तिवारी, तालिब सहित अन्य का योगदान रहा।

जनपद न्यायालय से सेवानिवृा कर्मचारीगण रिक्त पद वरिष्ठ सहायक एवं कनिष्ठ सहायक हेतु 25 मार्च 2025 तक कर सकते हैं आवेदन

आज का मुद्दा-गौतमबुद्धनगर : उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निदेशों के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश गौतम बुद्ध नगर ने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर न्यायालय में वरिष्ठ सहायक के कुल 22 पद एवं कनिष्ठ सहायक के 21 पद रिक्त हैं। न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारीगण की संख्या अपर्याप्त है एवं कार्य में कठिनाई को दृष्टिगत रखते हुए जनपद न्यायालयों से सेवानिवृा कर्मचारीगण, जिनकी आयु 65 वर्ष पूर्ण न हुई हो, को अस्थायी रूप से पुनः नियुक्ति पर्याप्त रिक्त पदों के भरने तक अथवा पदोन्नति या सीधी भर्ती के माध्यम से जिस पर पुनः नियुक्ति की गई है या 65 वर्ष की आयु जो भी पहले हो, के लिए आवेदन पत्र 25 मार्च 2025 तक आमंत्रित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि जनपद न्यायालयों से सेवानिवृा कर्मचारीगण द्वारा आवेदन प्रारूप संख्या-1 के साथ घोषणा पत्र (प्रारूप-2) में देना अनिवार्य होगा। उक्त आवेदन प्रशासनिक कार्यालय जनपद न्यायालय गौतमबुद्धनगर में मूल रूप में स्वीकार होंगे।

मातृशक्ति को उनके योगदान के लिए अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया

आज का मुद्दा-नोएडा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सामाजिक संगठन,महिला उन्नति संस्था की समस्त जिला गौतमबुद्ध नगर टीम एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश ने आज नोएडा के सेक्टर 105 स्थित आंगन एल्डरली होम में एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में आश्रम की संस्थापाक डॉक्टर मनीषा सिंह, संस्था की संरक्षक इंदु गोयल, पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष, डॉक्टर वंदना सिंह,जिला गौतम बुद्ध नगर अध्यक्ष रेनू बाला शर्मा और अन्य पदाधिकारियों ने भागीदारी की।कार्यक्रम के दौरान भजन,संगीत,हंसी खुशी का मोहाल बनाते हुए अन्य गतिविधियों का आनंद लिया गया।आश्रम की मातृशक्ति और बजुर्ग महिलाओं के संघर्ष और योगदान की सराहना करते हुए उन्हें अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।इस मौके पर मातृ शक्ति को आगे बढ़ाने वाली बजुर्ग पुरुषों को भी अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ दे कर सम्मानित किया।इन सभी बजुर्गो के इस उम्र के पड़ाव में, खुशी और प्रसन्नता की लहर देने वाली की सेवाओं की सराहना करते हुए डॉक्टर मनीषा सिंह को अंगवस्त्र पुष्प गुच्छ दे कर हम सब ने सम्मानित किया एवं आभार प्रकट किया कि हमें अपने बजुर्गो से बात करने अवसर मिला ।

भूखंडों का कब्जा नहीं मिलने पर ओएसडी से मिले लोग

आज का मुद्दा-नोएडा। सेक्टर में विकास कार्य को लेकर आज आरडब्लूए सेक्टर-145 का एक प्रतिनिधि मण्डल नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी क्रांति शेखर से मिले। आर डब्लू ए उपाध्यक्ष सुभाष भाटी ने बताया कि किसानों के पांच प्रतिशत के भूखंडों का भूखण्ड स्वामियों को आज कई साल के बाद भी कब्जा नहीं मिल पाया है और ना ही बिजली पानी की व्यवस्था की गई है। टाइम एक्सटेंशन भी नहीं बढ़ाया जा रहा है।वही भूखंड स्वामियों ने लोन ले रखा है और ब्याज भी दे रहे है जिसकी किस्त प्रत्येक महीने जाती है लेकिन सेक्टर में भौतिक कब्जा नोएडा अथॉरिटी द्वारा नहीं दिया गया है बल्कि अभी भी कुछ भाग में वहां पर खेती हो रही है।ओएसडी क्रांति शेखर ने कहा की फसल कटने के बाद विकास कार्य किया जाएगा।इस मौके पर लाट साहब लोहिया एडवोकेट, फोनरवा के कोषाध्यक्ष पवन यादव,संजय चौहान,सुबोध मिश्रा,हर्ष सिंह, रंजन चौहान आदि लोग उपस्थित रहे।

नोएडा के डंपिंग ग्राउंड में लगी भीषण आग,दमकल की 15 गाड़ियां आग बुझाने में असफल

आज का मुद्दा-नोएडा। नोएडा में उस वक्त अफरा तफरी मच गयी जब सेक्टर 32 के डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग लग गयी।आग लगने का अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।वही दमकल की करीब 15 गाड़ियां आग बुझाने की कोशिश कर रही है।लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया गया है।बता दे कि इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें आग की लपटें काफी ज्यादा दिखाई दे रही हैं और आसमान में धुएं का गुबार भी है। आपको बता दे कि आज नोएडा में सेक्टर 32 के डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग लग गयी।जिसकी वजह से मौके पर अफरा-तफरी जैसा माहौल हो गया था। इस दौरान कई गाड़ियों को मौके से हटाया गया है।आग का धुआं काफी दूर तक देखा जा सकता है।कई लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है।मौके पर पहुंची दमकल की 15 गाड़ियां ने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया गया।मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि डंपिंग ग्राउंड में पूरे शहरभर का उद्यानिक कचरा एकत्रित होता है।सूखे पत्ते आदि होने से आग लगने पर काबू पाना काफी मुश्किल होता है।विगत सालों में भी आग लगने की घटनाएं हो चुकी है।इस बाबत नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को चार बार पत्राचार किया जा चुका है।15 दिन पहले भी पत्र लिखकर आग की संभावना और बचाव को लेकर ठोस कदम उठाने पर जोर दिया गया था लेकिन कोई पहल नहीं की गई है।

सार्वजनिक सूचना

I RUCHI KANT W/O NANDISH KUMAR R/O S-75, SECTOR 12 NOIDA, HAVE CHANGE MY NAME FROM RUCHI KANT TO RUCHI NANDISH KUMAR. HENCEFORTH I WOULD BE KNOWN BY THE NAME OF RUCHI NANDISH KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.